dinbandhunews.com | dinbandhunews.com/epaper | Twiter.com | facebook.com | Instragramcom

दैनिक
दीन बंधु
News.com

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, सोमवार
08.07.2024
वर्ष : 12 I
अंक : 198
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5126
विक्रम संवत 2081

जय-जय जगन्नाथ

रथ पर निकले जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा, रथ खींचने और रस्सी छूने को श्रद्धालुओं में रही होड़

पुरी ■ एजेंसी

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि आज है. पूरी में भगवान जग्गनाथ रथयात्रा शुरू हो गई है. आज भगवान जगन्नाथ और बलदाऊ जी अपनी बहन सुभद्रा संग रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकल गए है. ज्येष्ठ पूर्णिमा पर अभिषेक-स्नान के बाद जगत के स्वामी की तबीयत खराब हो गई थी. स्नान पूर्णिमा पर बीमार हुए भगवान जगन्नाथ आज सुबह ठीक हो गए है. 53 साल बाद इस साल पुरी की रथयात्रा दो दिनों की होगी, इससे पहले 1971 में भी रथयात्रा दो दिन चली थी. रथ यात्रा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में साधु-संत पहुंचे है. रथयात्रा में सबसे पहले बलभद्र का रथ खींचा गया. रथ रुक-रुक कर आगे बढ़ रहा था. कुछ देर बाद अब सुभद्रा और जगन्नाथ जी का रथ खींचा गया. सूर्यास्त तक ही रथयात्रा चली. इसके बाद रथ को रोक दिया गया है. अब कल सुबह आठ बजे से रथयात्रा फिर शुरू होगी. रथयात्रा में हाथी, घोड़े, डमरू दल, बैंड पार्टी के साथ ध्वज पताकाएं चल रही थी. गुलाब व मोगरा के फूलों से ठाकुरजी का श्रृंगार किया गया है.

राष्ट्रपति हुईं शामिल, आज भी निकलेगी यात्रा

रथ यात्रा के दौरान हुआ बड़ा हादसा, भगदड़ मचने से 400 श्रद्धालु घायल, एक की मौत

पुरी। पुरी रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मच गई। दरअसल, श्रद्धालु प्रभु बलभद्र का रथ खींच रहे थे। इस दौरान 400 श्रद्धालु नीचे गिर गए, जिसमें एक भक्त की सांस रूकने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ को खींचा जा रहा था। इस दौरान भीड़ ज्यादा होने की वजह से भक्त आपस में खींच-तान करने लगे, जिससे भगदड़ की स्थिति बन गई। इसमें 400 से अधिक श्रद्धालु जमीन पर गिर गए। घायल श्रद्धालुओं को प्रशासन की टीम ने तुरंत पुरी मुख्य अस्पताल पहुंचाया। उसके बाद 50 से अधिक श्रद्धालुओं को मामुली चोट आने के कारण छोड़ दिया गया है। अन्य श्रद्धालुओं का अभी इलाज चल रहा है। एक श्रद्धालु की जान चली गई है, जो कि ओडिशा के बाहर का बताया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की है। पुरी रथयात्रा के दौरान भगदड़ से घायल हुए लोग जिला मुख्य अस्पताल में भर्ती हैं।

सीएम यादव और केंद्रीय मंत्री ने उज्जैन में भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने रविवार सुबह उज्जैन के जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगलकामनाएं की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परंपरा अनुसार पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को लेकर बड़ा ही हर्ष और आनंद का वातावरण हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों को भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, श्री विवेक जोशी, श्री सत्यनारायण खोईवाल, श्री संजय अग्रवाल और श्री रवि शंकर वर्मा आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

भोपाल समेत प्रदेशभर में उत्सव

मध्यप्रदेश में भी आज आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को कई जगहों पर जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा में कुल तीन रथ शामिल हैं, जिनमें से एक में प्रभु जगन्नाथ, दूसरे में उनके भाई बलभद्र और तीसरे में उनकी बहन सुभद्रा विराजमान हैं। मिनी जगन्नाथपुरी के नाम से प्रसिद्ध विदिशा के मानोरा गांव में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा तड़के से शुरू हो गई थी। मानोरा में इस धार्मिक यात्रा का आयोजन तीन दिन तक किया जाता है।

भाजपा कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश के 29 सांसदों का हुआ सम्मान

शिवराज ने राहुल पर साधा निशाना सिंधिया ने कहा 'अहंकारी पार्टी'

भोपाल ■ ब्यूरो

भाजपा कार्यसमिति की पहली बैठक में दिग्गज नेताओं का जमावड़ा रहा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस पर हमला बोला। शिवराज ने कहा कि मध्यप्रदेश में यह जीत का बड़ा रिकार्ड है, इससे बड़ा रिकार्ड नहीं हो सकता। 29 की 29 सीटें भाजपा ने जीत ली। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी अपने संबोधन में कांग्रेस पर प्रहार किया। सिंधिया ने कहा कि अहंकार वाली कांग्रेस पार्टी का मध्यप्रदेश में खाता ही नहीं खुल पाया। भोपाल के रवींद्र भवन में प्रदेश भाजपा की वृहद कार्यसमिति की बैठक रविवार को हो रही थी। इस बैठक में पीएम मोदी की तीसरी बार सरकार बनने पर जीत का उत्साह दिखा, तो मध्यप्रदेश में 29 की 29 सीटें जीतने की खुशी भी नजर आ रही थी। कार्यसमिति ने इस मौके पर जनता को धन्यवाद भी दिया।

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई इस बैठक में सुबह से ही कई मुद्दों पर चर्चा का दौर चलता रहा। भाजपा राजनीतिक प्रस्ताव लाने की बात कर रही है, वहीं आगामी कार्यक्रमों की भी सूची जारी करने वाली है। यह पहला अवसर है जब प्रदेश के 1099 मंडल अध्यक्षों को भी प्रदेश की कार्यसमिति की बैठक में बुलाया गया था।

चुनाव में हारे 20 प्रतिशत बूथ को जीतने का संकल्प लें : वीडी शर्मा

प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 80.56 प्रतिशत बूथ पर जीत का रिकॉर्ड बनाया है। जो 20 प्रतिशत बूथ बचे हैं, उन पर जीत का संकल्प लेकर कार्यसमिति से जाना है। उन्होंने कहा कि 7 विधानसभा ऐसी हैं जो विधानसभा चुनाव में जीती, लेकिन लोकसभा में हारे हैं। इसकी समीक्षा करने की जरूरत है। वीडी शर्मा ने कहा कि हर बूथ के एक-एक कार्यकर्ता ने मेरा बूथ सबसे मजबूत बनाने का काम किया है। सभी ने संकल्प लिया था कि 29 की 29 सीटें जीतेंगे और बूथ कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत रिकॉर्ड बना है।

मोदी सरकार की सत्ता में वापसी पर प्रस्ताव

बैठक से पहले सांसद कविता पाटीदार ने मोदी सरकार की तीसरी बार सत्ता में वापसी होने पर प्रस्ताव रखा। जिसका समर्थन जगदीश देवड़ा और केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने किया। इसके बाद पूर्व मंत्री और विधायक अर्चना चिटनिस ने रवींद्र भवन में पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने कहा- प्रस्ताव में बताया कि गरीब, युवा, महिला, किसान की सेवा करने में बीजेपी ने कीर्तिमान स्थापित किया है।

मोहन मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार आज

कांग्रेस से बीजेपी में आए रामनिवास बनेंगे मंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार कल यानी सोमवार को होने जा रहा है। इसमें कांग्रेस से बीजेपी में आए विधायक रामनिवास रावत मंत्री पद की शपथ लेंगे। सूत्रों के अनुसार, राजभवन में सोमवार सुबह 9 बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसे लेकर सीएम डॉ. मोहन यादव ने रविवार शाम को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल मंगु भाई पटेल से मुलाकात की। उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राज्यपाल को जानकारी दी। बता दें कि अभी मंत्रिमंडल में 4 पद खाली हैं। वर्तमान में डॉ. मोहन सरकार में 30 मंत्री हैं। मंत्रिमंडल में अधिकतम 34 मंत्री हो सकते हैं। रावत को मंत्रिमंडल में शामिल होने से पहले विधानसभा की सदस्यता छोड़नी होगी। श्योपुर जिले के विजयपुर से 6 बार के विधायक रामनिवास रावत रविवार को गणेश कॉलेज में भागवत कथा में शामिल होने के बाद शाम करीब 6 बजे अपने समर्थकों के साथ भोपाल के लिए रवाना हो गए। वे सोमवार को मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज

10 साल में रूस का छठा दौरा, पीएम मोदी कल रवाना होंगे विदेश दौरे पर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और रूस की दशकों पुरानी दोस्ती कल यानी सोमवार को नया आयाम लेगी, जब पीएम मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में पहली बार रूस जाएंगे. 2019 के बाद और रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद पहली बार मोदी पुतिन के निमंत्रण पर मास्को जा रहे हैं. इस दौरे को लेकर विदेशी मीडिया में चर्चाओं का दौर जारी है. चीन परेशान है. पाकिस्तान हैरान है और अमेरिका की नजर है. पीएम मोदी एकमात्र ऐसे नेता हैं जिनकी अमेरिका और रूस दोनों से गहरी दोस्ती है, ऐसे में इस दौरे को लेकर वर्ल्ड ऑर्डर पर क्या असर होगा, क्या यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस की रणनीति बदलेगी, रूस भारत के बीच क्या समझौते होंगे, इसपर सभी की नजर रहेगी. पीएम मोदी का ये दौरा 2 दिन का होगा. वह 5 साल बाद रूस जा रहे हैं. पीएम मोदी की रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मीटिंग में कई समझौतों पर मुहर लगने की संभावना है. इसके अलावा रूस में पीएम मोदी भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगे.

इस साल होगा पीएम मोदी का दो बार रूस दौरा

ऐसा उम्मीद किया जा रहा है कि साल के अंत में प्रधानमंत्री मोदी दो बार रूस कर सकते हैं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए वे फिर से रूस का दौरा कर सकते है। हांलाकि यह पहली बार होगा जब मोदी 2019 के बाद से रूस की यात्रा करेंगे। कोविड-19 के कारण 2020 में शिखर सम्मेलन नहीं हो सका, लेकिन राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले साल 21वें शिखर सम्मेलन के लिए आए, हालांकि केवल कुछ घंटों के लिए ही।

शिवसेना नेता के बेटे ने कार से महिला को रौंदा

मुंबई। मुंबई के वर्ली में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार चालक ने एक्टिवा सवार एक कपल को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में एक महिला की मौत हो गई। जबकि महिला का पति गंभीर जख्मी हो गया, दरअसल, वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके से यह कपल मछली पकड़ने के लिए ससून डॉक गया था। जब वे अपनी पकड़ी हुई मछलियां लेकर घर लौट रहे थे, तो उनके उनके वाहन को पीछे से कार चालक ने टक्कर मार दी। जिसके बाद कार चालक घायल महिला को छोड़कर मौके से भाग गया। घायल महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस मामले को लेकर वर्ली पुलिस ने कार मालिक राजेश शाह को हिरासत में लिया है, जो पालघर में शिवसेना (शिंदे) के स्थानीय नेता हैं। पुलिस ने फरार ड्राइवर और शाह के बेटे मिहिर शाह को भी हिरासत में लिया है, जिनके दुर्घटना के समय कार में होने का संदेह है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि पता लगाया जा सके कि दुर्घटना के समय गाड़ी कौन चला रहा था।

सूरत में 5 मंजिला बिल्डिंग ढही, 7 लोगों की मौत

सूरत। सूरत में 5 मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 5 लोग मप्र के सीधी जिले के है। एक महिला गंभीर रूप से घायल है। टीम रेस्क्यू में जुटी है। अभी मलबा हटाने का काम चल रहा है। हादसा शनिवार दोपहर में सूरत शहर के इंडस्ट्रियल एरिया में हुआ। रेस्क्यू में जुटी टीम को रविवार सुबह तक 7 लोगों के शव मिल चुके थे। बिल्डिंग 2017 में ही बनी थी। सिर्फ 7 साल में ही पूरी बिल्डिंग के ढह जाने से इसके निर्माण की गुणवत्ता का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री यादव के साथ देवी अहिल्या बाई की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

भोपाल ■ ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प एक पेड़ मां के नाम अभियान में इंदौर में आयोजित पौध-रोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव शामिल हुए। उन्होंने इंदौर पहुंचकर पहले देवी अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री यादव ने इस अवसर पर रुद्राक्ष के पौधों का रोपण भी किया। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, गौरव रणदिवे, चिंटू वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारे लिए बड़ी ही खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत पूरे प्रदेश में साढ़े 5 करोड़ पौधों का रोपण किया जा रहा है। यह गर्व का विषय है कि इंदौर शहर और पूरे जिले में 51 लाख पौधे लगाए जाने का कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पौध-रोपण अभियान एक जन अभियान का रूप ले रहा है। इसमें समाज के हर वर्ग की सक्रिय सहभागिता सामने आ रही है।

गर्मी के कारण समय से पहले पिघल रहा अमरनाथ शिवलिंग

श्रीनगर। अमरनाथ गुफा से आई निराश करने वाली खबर सामने आ रही है। बढ़ती गर्मी के कारण शिवलिंग समय से पहले पिघल गया है। गर्मी की वजह से यात्रा शुरू होने के एक हफ्ते बाद ही शिवलिंग पिघल गया है। इस साल 29 जून को अमरनाथ यात्रा शुरू हुई थी। अब तक 1,50,000 से ज्यादा श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। बता दें कि जम्मू और कश्मीर में लगभग 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा को दुनिया भर के लाखों हिंदू भगवान शिव के घर के रूप में पूजते हैं। अमरनाथ गुफा शिवलिंग का पिघलना गर्मी की लहर की स्थिति को माना जा रहा है। इस साल मई से उत्तर और मध्य भारत के बड़े हिस्से भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। पिछले कुछ हफ्तों से घाटी में भी तापमान बढ़ रहा है और भीषण गर्मी पड़ रही है। हालांकि, श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जम्मू-कश्मीर पहुँच रहे हैं।

असम में 58 और यूपी में 13 की मौत, मुंबई में 150 पर्यटकों का रेस्क्यू किया

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, चारधाम यात्रा रोकी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उत्तराखंड के गढ़वाल डिवीजन में भारी बारिश के चलते आज चार धाम यात्रा रोक दी गई है। बद्रीनाथ-विष्णु प्रयाग नेशनल हाईवे के पास लैंडस्लाइड के कारण सड़क ब्लॉक हो गई है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। असम के 29 जिलों में बारिश और बाढ़ की वजह से 23 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अब तक 58 लोगों की मौत हुई है। 27 जिलों में 577 रिलीफ कैंप बनाए गए हैं। इसमें 5 लाख से ज्यादा लोग रह रहे हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क में भी 15 लाख से ज्यादा जानवर प्रभावित हुए हैं। 16 गैंडो समेत 114 जानवरों की मौत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है। रिलीफ डिपार्टमेंट के मुताबिक दो लोगों की मौत

बिजली गिरने से, एक व्यक्ति की मौत डूबने से, जबकि तीन लोगों की मौत बारिश संबंधित घटनाओं में हुई। मुंबई से सटे ठाणे जिले में जोरदार बारिश के कारण वाशिंद स्थित सृष्टि फार्म हाउस के आसपास पानी भर गया। करीब 150 लोग फंसे हैं। उनका रेस्क्यू जारी है। उधर, महाराष्ट्र में कल्याण-कसारा रूट पर सुबह 6.30 बजे पटरियों पर मलबा जमा हो गया। एक पेड़ गिरने से ट्रैक बाधित हो गया।

आज 5 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

आईएमडी ने रविवार (7 जुलाई) के लिए पांच राज्यों- उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, ओड़िशा, कर्नाटक में बहुत भारी बारिश का अलर्ट और 17 राज्यों- पंजाब, हिमाचल प्रदेश, बिहार, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, असम, नागालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, केरल, गोवा में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

भोले बाबा के वकील का नाया दावा - जहर छिड़कने से मची भगदड़

हाथरस। भोले बाबा के वकील एपी सिंह ने हाथरस भगदड़ की घटना को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने न्यूज एजेंसी से कहा- घटना के वक्त हाफ पैंट पहने हुए 15-20 लोग आए। उन्होंने भीड़ में जहरीला स्प्रे छिड़का, जिससे लोगों का दम घुटने लगा और वे भागने लगे। इसी से भगदड़ मच गई। इधर, हाथरस घटना को लेकर राहुल गांधी ने ष्ट्रूयोगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा। कहा- हादसा इतना दुखद है कि परिजनों से मिलते समय मेरे पास सांत्वना के शब्द भी कम पड़ गए। दोषियों को कठोर सजा दी जाए, जिससे दोबारा ऐसी घटना न हो। राहुल ने हादसे के लिए स्थानीय प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। मुआवजे की राशि बढ़ाने की भी मांग की।

कश्मीर में कहर बनकर टूटे सुरक्षा बल,

6 आतंकी ढेर, 2 जवान भी शहीद

श्रीनगर ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में चल रही दो अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने कम से कम छह आतंकवादियों को मार गिराया है। इस ऑपरेशन में दो जवान भी शहीद हो गए। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को मुदरगाम मुठभेड़ स्थल पर एक और शव देखा गया। इसके बाद दोनों मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों की संख्या छह हो गई। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक राष्ट्रीय राइफल्स के पैरा कमांडो लांस नायक प्रदीप नैन और हवलदार राज कुमार भी शहीद हो गए। कुलगाम जिले के दो गांवों चिन्नीगाम और मुदरगाम में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी। इससे पहले, अधिकारियों ने बताया था कि चिन्नीगाम गांव में सुरक्षा बलों के साथ जारी मुठभेड़ में शनिवार को हिज्बुल मुजाहिदीन के एक कमांडर समेत चार आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया,

चिन्नीगाम गांव में अभियान अभी भी जारी है। दोनों मुठभेड़ स्थलों पर ड्रोन और अन्य निगरानी उपकरण तैनात किए गए हैं। सुरक्षा बलों को कुलगाम जिले में एक दूसरे से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मुदरगाम और चिन्नीगाम गांवों में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था।

ब्रीफ न्यूज़

भोपाल की महिला क्लर्क से 40 हजार रुपए की हुई ठगी, बिग बॉस्केट नाम से आई लिंक में दिया ऑफर्स का झांसा, 3 बार में कट गए रुपए

भोपाल। भोपाल में साइबर जालसाजों ने एक महिला क्लर्क को 40 हजार रुपए की चपत लगा दी। आरोपियों ने महिला के मोबाइल पर लिंक भेजा था। जिस पर क्लिक करते ही उसके खाते से हजारों रुपए कट गए। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है।

मामले की जांच शुरू कर दी है। एमपी नगर पुलिस के मुताबिक कोलार में रहने वाली प्रसामा चौरसिया जिला अदालत में लिपिक के पद पदस्थ हैं। 2023 में ड्यूटी के दौरान उनके मोबाइल पर बिग बॉस्केट नाम से लिंक आया था, जिसमें कई तरह के ऑफर दिखाए गए थे। लिंक को खोलते ही उनके खाते से तीन अलग-अलग किस्तों में करीब 40 हजार रुपए उनके बैंक खाते से गायब हो गए। इस मामले की शिकायत महिला ने साइबर सेल में की थी। जहां से क्राइम ब्रांच ने जीरो पर केस दर्ज कर डायरी एमपी नगर थाना पुलिस को भेज दी। पुलिस का कहना है कि अब आरोपियों को पकड़ने के लिए साइबर सेल की मद्द ली जा रही है। तकनीकी जांच के सहारे आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

दो तस्करों से 13 किलो गांजा जब्त, आंध्र प्रदेश से कम दामों में लाते थे गांजा

भोपाल। भोपाल की क्राइम ब्रांच ने ऐयरो सिटी रोड गांधी नगर से दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो लाख रुपए कीमत का 13.300 किलो ग्राम गांजा बरामद किया गया है। दोनों ने आंध्र प्रदेश से सड़क मार्ग के रास्ते गांजा भोपाल में लाने की बात स्वीकार की है। दोनों आंध्र प्रदेश से लाए गांजे को फुटकर विक्रेताओं को तीन गुने दाम में बेचने का काम करते थे। ग्राहकों के इन्तजार में ऐयरो सिटी रोड पहुंचे और पुलिस हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। एडिशनल डीसीपी क्राइम शेलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर शनिवार की रात को ऐयरो सिटी रोड ब्रिज के नीचे गांधी नगर में दो युवकों की घेराबंदी की थी। दोनों को हिरासत में लेकर उनके पास मौजूद झोलों की तलाशी ली गई। जिसमें पॉलीथिन में रखे गांजे के पैकेट मिले। करीब 14 पैकेट में 13.300 किलोग्राम गांजा मिला है।

आरोपियों पर पूर्व में हैं अपराध दर्ज: आरोपियों की पहचान फैज मोहम्मद पिता जमील अहमद (21) निवासी म.न. 17 गली नंवर 21 आरिफ नगर गौतम नगर और संजना ठाकुर पत्नी गुज्जर पवार (20) निवासी ग्राम जमनी टोला तहसील सुहागपुर जिला नर्मदापुरम के रूप में की गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट सहित अन्य अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

बिलासपुर मंडल में रेलवे मेंटेनेंस कार्य के चलते, कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस सहित 3 ट्रेने आंशिक निरस्त

भोपाल। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में ऑटो सिग्नलिंग सिस्टम का काम चल रहा है, जिसके चलते कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-रायगढ़ एक्सप्रेस और रायगढ़-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस को आंशिक निरस्त किया है। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया यात्री किसी भी जानकारी के लिए रेलवे हेल्प लाइन 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

यह ट्रेने हुईं आंशिक निरस्त: 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस को 12 जुलाई से 16 जुलाई तक बिलासपुर से शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा और यह कोरबा और बिलासपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। 12410 हजरत निजामुद्दीन-रायगढ़ एक्सप्रेस को 10 जुलाई , 11 जुलाई , 13 जुलाई , और 15 जुलाई को बिलासपुर पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और यह बिलासपुर और रायगढ़ के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। 12409 रायगढ़-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस को 12 जुलाई, 13 जुलाई , 15 जुलाई, और 17 जुलाई को बिलासपुर से शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा और यह रायगढ़ और बिलासपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

सिंधी मेला समिति भोपाल कराएगी कुकिंग कंपटीशन 10-11जुलाई को, सिंधी व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे लोग, विभिन्न स्थानों पर बनाए जा रहे कुकिंग सेंटर

भोपाल। सिंधी मेला समिति 10 और 11 जुलाई को कुकिंग कंपटीशन कराएगी, जिसमें विभिन्न सिंधी व्यंजन परोसे जाएंगे।

कंपटीशन की तैयारियों को लेकर विधायक भगवान दास सबनानी के टीटीनगर स्थित निवास पर बैठक आयोजित की गई, जिसमें कंपटीशन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। यहां यह भी तय किया गया कि कंपटीशन के लिए भोपाल में कोटरा, टीटी नगर, संत कवांराम कॉलोनी, सिंधी कॉलोनी, बावड़िया कलां, चूनाभट्ठी, शाहपुरा, प्रभुनगर, ईदगाह हिल्स, सोनागिरी, टीला जमालपुरा, पंचवटी कॉलोनी, विजय नगर, गांधीनगर और संत हिरदाराम में सेंटर बनाए जाएंगे। समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि वर्ष 2009 से लगातार कुकिंग कंपटीशन का आयोजन किया जा रहा है। यह 16वां वर्ष है और कंपटीशन पूर्णत: सिंधी व्यंजनों पर आधारित रहेगा। समिति के संरक्षक सबनानी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन हम लगातार कराते आ रहे हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज की संस्कृति एवं संस्कार को याद रखना और रखवाना है। उन्होंने बताया कि हम लगातार युवाओं को इस प्रकार के आयोजनों के जरिये अपनी संस्कृति से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

समय पर हजार करोड़ के बजट का उपयोग नहीं कर पा रहे कई विभाग

स्कूल शिक्षा, महिला बाल विकास, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास जैसे विभाग रहे फिसड्डी

कैग ने बजट के खराब प्रबंधन पर उठाए सवाल

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

एक तरफ सरकार विकास कार्यों के लिए लगातार बजट ले रही है, दूसरी तरफ स्थिति यह है कि विभाग अपने बजट का समय पर उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। विभागों द्वारा बजट के खराब प्रबंधन पर कैग ने सवाल उठाए हैं। कैग के अनुसार प्रदेश सरकार का खजाना भरने से लेकर खर्च करने तक तंत्र गड़बड़ाया है। किस विभाग में वास्तविक खर्च कितना होगा और आय कहां से होगी, इसका सटीक अनुमान अधिकारी नहीं लगा पा रहे हैं। इस कारण प्रदेश सरकार भले ही प्रतिवर्ष बजट बढ़ा रही है, पर उसका खर्च ही नहीं हो पा रहा है। बजट भले ही पूरे वर्ष के लिए आवंटित किया जाता है, पर कई विभाग साल भर सुस्त रहते हैं, जब पैसा लैप्स होने की स्थिति आती है तो मार्च में अधिकतर बजट का आनन-फानन में उपयोग करते हैं। कैग ने अपनी रिपोर्ट में टप्पणी की है कि राज्य का बजट तैयार करने वाले अधिकारियों की क्षमता पर सवाल उठे हैं। बजट नियंत्रण अधिकारी ने वास्तविक जरूरत का आंकलन किए बिना अनुमान तैयार कर लिया। इसके लिए संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी से प्रस्ताव भी नहीं लिया। नतीजा, राज्य सरकार को बीते वित्तीय वर्ष के आखिरी दिन 31 मार्च को 16746 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सरेंडर करना पड़ी।

8 विभाग राशि उपयोग में पिछड़े: कैग की रिपोर्ट के अनुसार आठ विभागों की एक-एक हजार करोड़ से अधिक की राशि का उपयोग नहीं किया जा सका। स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, ग्रामीण विकास जैसे बड़े विभाग इसमें शामिल हैं। कैग ने यह भी कहा है कि अनुमानों की पूरी सटीकता हमेशा संभव नहीं है, लेकिन जहां चूक पूर्व विवेक की कमी, स्पष्ट या अवास्तविक अनुमान की उपेक्षा का नतीजा है, यह चिंता का विषय है। साथ ही सुझाव दिया है कि सभी आंकलन अधिकारियों को बजट में हर उस चीज के लिए प्रावधान करने की कोशिश करना चाहिए जिसकी कल्पना की जा सकती है और केवल उतना ही देना चाहिए जितना जरूरी हो। प्रशासन और वित्त विभाग को अनुमानों पर अंतिम जांच करते समय इस पर विचार करना चाहिए।

सीएजी ने चेताया: नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने मप्र सरकार के बजटीय प्रबंधन को खराब मानते हुए उस पर कई गंभीर प्रश्न उठाए हैं। सीएजी ने सरकार को राजस्व व्यय को पूरा करने के लिए कर्ज से बचने के लिए आगाह किया है। सीएजी ने इस बात पर गंभीर आपत्ति की है कि अवास्तविक प्रस्ताव, व्यय निगरानी तंत्र के ठीक से काम नहीं करने और योजनाओं का क्रियान्वयन ठीक से नहीं होने के कारण बजट का संतुलन बिगड़ता है। विधानसभा में प्रस्तुत की गई सीएजी की रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक बजट बनाने से लेकर व्यय की निगरानी और उपयोग को लेकर प्रश्न उठाए गए हैं। सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 में तीन लाख 21 हजार करोड़ रुपये के बजट में से 50 हजार 543 करोड़ (15.71 प्रतिशत) रुपये बच गए थे। इसमें 22 हजार 984 करोड़ रुपये विभागों द्वारा वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन शासन को लौटाए गए, पर बाकी राशि समर्पित नहीं करने से लैप्स हो गई। इसमें पूंजीगत व्यय के लिए प्राविधानित राशि अधिक थी। सीएजी की रिपोर्ट से यह संकेत मिलते हैं सरकार हर वर्ष बजट में भले ही राशि बढ़ाती जा रही है, पर वास्तविक व्यय से तुलना करें तो तस्वीर अलग दिखती है। सीएजी ने दूसरा बड़ा प्रश्न अनुपूरक प्रावधान को लेकर उठाया है। वित्तीय वर्ष 2018-19 से वित्तीय वर्ष 2022-23 के बीच वास्तविक व्यय मूल बजट प्रावधानों के स्तर तक भी नहीं पहुंचा। उदाहरण के तौर पर वित्तीय वर्ष 2022-23 में मूल बजट दो लाख 79 करोड़ रुपये का था। अनुपूरक बजट 42 हजार 421 करोड़ रुपये का था, जबकि वास्तविक व्यय दो लाख 71 हजार करोड़ रुपये ही रहा। दूसरे विभागों को नहीं मिल पाता पैसा रिपोर्ट में कहा गया है कि अवास्तविक प्रस्तावों पर आधारित बजटीय आवंटन, संसाधन जुटाने की क्षमता का अत्याधिक विस्तार, खराब व्यय निगरानी तंत्र, कमजोर योजना क्रियान्वयन क्षमता व आंतरिक नियंत्रण वित्तीय वर्ष के आखिर में पैसा जारी करने को बढ़ावा देते हैं। कुछ मदों में अत्याधिक बचत होने से दूसरे विभागों को वह राशि नहीं मिल पाती है, जिसका वो उपयोग कर सकते थे। मप्र बजट नियमावली के अनुसार संवितरण अधिकारी को प्रत्याशित बचतों की गणना 15 दिसंबर के पहले करना चाहिए। बजट नियंत्रण अधिकारियों को 15 जनवरी के पहले यह जानकारी वित्त विभाग को प्रस्तुत करना जरूरी है। यह इसलिए जरूरी है ताकि वित्त विभाग अनुदान की अन्य मांगों के लिए संसाधनों का आवंटन कर सके।

कई विभागों में वित्तीय असंतुलन: नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की 2022-23 की रिपोर्ट में सामने आया है कि महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी), ऊर्जा विभाग, पशुपालन आदि विभागों ने 34 अनुदानों में 50 प्रतिशत से अधिक राशि मार्च में खर्च की है, जिससे वित्तीय असंतुलन हुआ। योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी सहित इसके कई कारण थे। राज्य शासन ने वर्ष 2022-23 में कुल व्यय दो लाख 68 हजार 699 करोड़ रुपये में से 54 हजार 335 करोड़ रुपये यानी 20.22 प्रतिशत मार्च में खर्च किया। इसमें भी 17 अनुदानों में 12 हजार 42 करोड़ रुपये की राशि का सौ प्रतिशत मार्च में ही खर्च किया गया, जबकि मध्य प्रदेश बजट की नियमावली में अंतिम कुछ माह में अत्यधिक व्यय को वित्तीय नियमितता का उल्लंघन माना गया है। व्यवस्था है कि पहली दो तिमाही में 45 प्रतिशत, तीसरी में 25 और आखिरी में 30 प्रतिशत खर्च का लक्ष्य होना चाहिए। कभी कम और कभी बहुत अधिक खर्च से मासिक प्राप्ति एवं व्यय का संतुलन गड़बड़ाया। वित्तीय वर्ष 2022-23 में तो दिसंबर से लगातार खर्च बढ़ा और मार्च में सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गया। मार्च में खर्च 54 हजार 335 करोड़ रुपये हुआ, जबकि मासिक प्राप्ति 74 हजार 216 करोड़ रुपये रही।

वीरांगना यादव ने जीती स्टेट लेवल सब जूनियर चैंपियनशिप

36 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड जीतकर नेशनल के लिया किया क्वालीफाई

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश के अशोकनगर में 6 और 7 जुलाई को स्टेट लेवल 10वीं सब जूनियर और 11वीं सीनियर लेवल कुराश चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जहां भोपाल की वीरांगना यादव ने 36किलोग्राम वर्ग के सब जूनियर लेवल में गोल्ड जीतकर चैंपियनशिप अपने नाम की। इसके साथ ही दूसरी बार नेशनल सब जूनियर कुराश के लिए क्वालीफाई कर लिया। इस मौके पर वीरांगना यादव ने जीत का श्रेय कोच सुमन द्विवेदी को देते हुए कहा कि हम लोगों ने यहां तक पहुंचने और आगे तक खेलने के लिए बहुत मेहनत की है। जिसमें हमारी कोच की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए मैं अपनी कोच सुमन द्विवेदी का आभार प्रकट करती हूं।

5 साल में 11570 मेगावॉट अधिक बिजली उत्पादन का लक्ष्य

2028-29 तक 34300 मेगावॉट बिजली उत्पादन का टारगेट

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मप्र में अगले 5 साल में 11570 मेगावाट अतिरिक्त बिजली पैदा होगी। इसके लिए मप्र पॉवर जनरेशन कंपनी अभी से जुटी हुई है। कंपनी का टारगेट हैं कि 2028-29 तक प्रदेश में 34300 मेगावॉट बिजली उत्पादन किया जाए। यह वर्तमान में 22730 मेगावॉट बिजली की उत्पादन क्षमता से 11570 मेगावट अधिक है। प्रदेश में बिजली की उत्पादन क्षमता अगले पांच साल में डिमांड से दोगुनी हो जाएगी। मप्र पॉवर जनरेशन कंपनी ने यह लक्ष्य रखा है। कंपनी का 2028-29 तक प्रदेश में 34300 मेगावॉट बिजली उत्पादन का टारगेट है। इसकी जानकारी कंपनी ने मप्र विद्युत विनियामक आयोग को उपलब्ध कराई है। प्रदेश में अभी 22730 मेगावॉट बिजली की उत्पादन क्षमता है। यह बिजली भी प्रदेश की डिमांड से ज्यादा है। गौरतलब है कि मप्र वर्तमान में ही अपनी मांग की अपेक्षा अधिक बिजली का उत्पादन कर रहा है। मप्र में उत्पादित होने वाली अतिरिक्त बिजली दूसरें राज्यों को बेची जाती है। वहीं मप्र पॉवर जनरेशन कंपनी आगामी वर्षों में बिजली उत्पादन का लक्ष्य और बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। बिजली की अधिक उपलब्धता होने की वजह से प्रदेश की पॉवर जनरेशन कंपनी दूसरे राज्यों के औद्योगों को सस्ती दरों में बिजली बेच देती है। दूसरे राज्यों के औद्योगों को 5 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली बेची जाती है। पिछले तीन से चार महीने में पॉवर जनरेशन कंपनी ने करीब 400 करोड़ रुपए की 84 करोड़ यूनिट बिजली बेची है। यह बिजली लगभग 5 रुपए प्रति यूनिट की दर से बेची जाती है। इससे महंगी बिजली प्रदेश के घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को मिलती है। डिमांड से 50 फीसदी ज्यादा उत्पादन का लक्ष्य कंपनी का टारगेट हैं कि 2028-29 तक प्रदेश में 34300 मेगावॉट बिजली उत्पादन किया जाए।

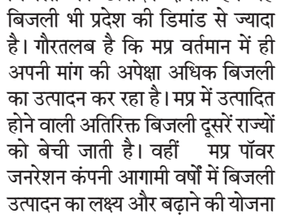

जयघोष के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की यात्रा

श्रद्धालुओं में रथ खींचने की लगी होड़, पुष्पवर्षा से किया स्वागत

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

रानी कमलापति स्टेशन से भगवान जगन्नाथ की यात्रा शुरू हो गई है। हजारों भक्त भजन करते हुए नाचते-गाते यात्रा के साथ चल रहे हैं। भक्तों में रथ खींचने की होड़ लगी है। जगह-जगह पुष्पवर्षा से यात्रा का स्वागत हो रहा था इस्कॉन भेल भोपाल के अध्यक्ष रसानंद दास ने बताया कि रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा महारानी का नेत्रों उत्सव कराया गया। रथ यात्रा के पहले भगवान जगन्नाथ को पांच सौ से ज्यादा भोग अर्पित किए गए। यात्रा शुरू होने से पहले ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित पहुंचे। यात्रा में शामिल हुए बच्चों में कोई भोलेनाथ की वेशभूषा में था तो कोई भगवान राम की। भगवान गणेश की वेशभूषा में पहुंचा यह बालक आकर्षण का केंद्र रहा। भगवान गणेश की वेशभूषा में पहुंचा यह बालक आकर्षण का केंद्र रहा।

रास्ते भर बटी महाप्रसाद

यात्रा में रास्ते भर विभिन्न प्रकार के फलों का वितरण होगा। सामाजिक सहयोग से पूरे समय 5 हजार केले व अन्य फल वितरित किया। ऐसे अलावा 200 किलो मीठी बूंदी का प्रसाद भी भक्तों को बांटा गया। वहीं, रथयात्रा के लिए वृंदावन, सीहोर, गंजबासौदा, उज्जैन, इंदौर, रतलाम, हरदा, भोपाल की कीर्तन पार्टी आएंगी जो रास्तेभर में कीर्तन करते हुए चल रही थीं इसके अलावा भगवान जगन्नाथ जब परिवार भ्रमण के लिए निकलें तो उनके रथ के आगे बैलगाड़ियां, ऊंट, घोड़ा बग्गियां थी। भगवान के रथ के आगे इस्कॉन गर्ल्स फोरम व वैष्णवी फोरम की सदस्य नृत्य करते हुए चल रहे थे।

मप्र कांग्रेस की नई कार्यकारिणी एक पखवाड़े में

प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा- प्रक्रिया शुरू हो गई है

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा कि एमपी कांग्रेस की नई कार्यकारिणी 10 से 15 दिन में बन जाएगी। इस पर तेजी से काम किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश के अंदर नए जज्बे के साथ मजबूती के साथ जनता की आवाज बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि कल पहले चरण के मंथन का कार्यक्रम था। उसमें 13 से 14 घंटे चर्चा हुई है। सभी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों से और एमएलए से बहुत सारे नए आइडिया आए हैं। उन पर किस तरीके से कार्ययोजना बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 29 की 29 सीट हारने के बाद भीतरघात करने वाले लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। इसका समय होता है। वह डिस्प्ले कमेटी करती है। मैं एक बात जरूर कह सकता हूं कि उन्होंने राहुल गांधी के बयान- अयोध्या के जैसे गुजरात में हराएंगे और भाजपा नेताओं के पलटवार पर कहा कि भाजपा विचलित हो चुकी है एक्सपोज हो चुकी है। वह समय बहुत जल्दी आने वाला है जब उन्हें पूरे देश में हार का सामना करना पड़ेगा। चुनाव में हार के बाद कांग्रेस अब एमपी में संगठनात्मक मजबूती के लिए काम करेगी। इसके लिए शनिवार को दिन भर संभागवार विधानसभा प्रत्याशियों की बैठक कर हार के कारण जानने के बाद आज लोकसभा चुनाव हारे प्रत्याशियों के साथ बैठक हो रही है। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय, सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, कांतिलाल भूरिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया, डॉ. गोविंद सिंह, सीडब्लूसी मेंबर कमलेश्वर पटेल, ओमकार मरकाम, मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक सहित अन्य नेता मौजूद हैं। बताया जाता है कि बैठक में बुलाए गए प्रत्याशियों से विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र का नाम पूछने के साथ चुनाव में पड़े कुल वोट, प्रत्याशी को मिले वोट, हार जीत का अंतर की जानकारी भी मांगी गई है। प्रत्याशी को अपना नाम और विधानसभा क्षेत्र या लोकसभा क्षेत्र का नाम भी लिखकर देने के लिए कहा गया है। इन सभी बिन्दुओं के आधार पर पार्टी आगामी दिनों की रणनीति तय करेगी और पार्टी की मजबूती के लिए जरूरी निर्णय लिए जाएंगे।

भर्ती फायरकर्मी पुलिस की वर्दी से मुक्त होना नहीं चाहते

पुलिस फायर का अमला नगरीय प्रशासन विभाग में जाने को तैयार नहीं

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

पुलिस अधिनियम 1861 के तहत पुलिस अग्निशमन सेवा में भर्ती पुलिस फायर का अमला नगरीय प्रशासन विभाग में जाने को तैयार नहीं है। उनका कहना है कि हमने प्रदेश और राष्ट्र की सेवा के लिए पुलिस वर्दी पहनी है। अगर पुलिस अग्निशमन सेवाकर्मियों का विलय नगरीय प्रशासन विभाग में होता है तो उससे हमारा मनोबल टूटेगा और कार्यक्षमता भी प्रभावित होगी। गौरतलब है कि हाईकोर्ट जबलपुर ने प्रचलित रिट याचिका क्रमांक 456/2023 जसपाल शर्मा बनाम मध्यप्रदेश शासन की सुनवाई के दौरान 13 मई को पुलिस फायर के अंतर्गत काम कर रहे फायर अमले को नगरीय प्रशासन विभाग की फायर शाखा में मर्ज करने के लिए हरी झंडी दे दिया है और इस संदर्भ में नगरीय प्रशासन विभाग को तीन महीने में अपना अंतिम जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद मुख्य सचिव वीरा राणा ने 20 जून को बैठक कर अधिकारियों को आगे की कार्यवाही के लिए निर्देशित कर दिया है। वहीं इस संदर्भ में नगरीय प्रशासन विभाग ने भी अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। उधर, सरकार के इस कदम से पुलिस अग्निशमन सेवा के अधिकारियों-कर्मचारियों में भय और असंतोष का माहौल है। वे किसी भी स्थिति में नगरीय निकाय में जाने को तैयार नहीं हैं।

तीन महीने में मर्ज करने की कवायद: सूत्रों का कहना है कि हाई कोर्ट की हरी झंडी मिलने के बाद नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव ने गृह विभाग के प्रमुख सचिव के साथ बैठक करके सहमति दे दी। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव ने की और उनकी भी सहमति मिल गई है। इसके बाद नगरीय प्रशासन ने अपना अंतिम जवाब कोर्ट में पेश कर दिया है। इस जवाब में लिखा है कि पूर्व में मंत्री परिषद द्वारा लिए गए निर्णय का पालन किया जाए और पुलिस अग्निशमन सेवा के सभी अधिकारी व कर्मचारी और संबंधित मशीनरी नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग को अगले तीन महीने में पूरी तरह सौंप दी जाए।

पुलिस फायर कर्मियों में असंतोष: अभी तक गृह विभाग के अंतर्गत रह कर कार्य कर रहे पुलिस अग्निशमन सेवाकर्मियों में इस बात का असंतोष है कि उन्हें नगरीय निकाय में मर्ज किया जा रहा है। जबकि उनकी भर्ती पुलिस अधिनियम 1861 के तहत उसी तरह हुई है, जिस तरह अन्य पुलिस कर्मियों की होती है। ऐसे में उनका नगरीय निकाय में विलय करना उनके अधिकारों का हनन है। सरकार के इस कदम से डरे सहमें पुलिस फायरकर्मी राहत के लिए अब वरिष्ट अधिकारियों को ज्ञापन सौंप रहे हैं।

पुलिस फायर के पास 210 का स्टॉफ: पुलिस फायर के पास अभी कुल 210 का स्टॉफ है। अभी यह अमला भोपाल, इंदौर, पीथमपुर और मालनपुर (भिंड) में पदस्थ है। भोपाल में 44 का स्टॉफ है। अमला पूरी निष्ठा और इमानदारी के साथ अपना काम कर रहा है। यह अमला पूरी तरह ट्रेंड है। वर्तमान में इनको पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षित किया जाता है, जिससे इनकी कार्यक्षमता नगरीय निकाय के फायर कर्मियों से काफी अधिक है। ऐसे में अगर इनका नगरीय निकाय में विलय होता है तो इनकी कार्य क्षमता प्रभावित होगी। इसलिए पुलिस अग्निशमन सेवा के अधिकारी-कर्मचारी नगरीय निकाय में नहीं जाना चाहते हैं।

भोपाल में आगाज-3 हेरिटेज कार रैली: बेगम्स ऑफ भोपाल के लुक में पहुंचीं पार्टिसिपेंट

भोपाल। बेगम्स ऑफ भोपाल और राग भोपाली की ओर से आगाज-3 हेरिटेज कार रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरुआत 10 नंबर स्थित राग भोपाली से सुबह 9:30 बजे हुई, जो गोलघर से होते हुए लेक व्यू के ड्राइव-इन सिनेमा पर खत्म हुई। इस कार रैली में महिलाएं शहर की हेरिटेज साइट्स और मॉन्यूमेंट्स तक गईं, और यहां की विरासत के बारे में समझा।

कार रैली में शामिल पार्टिसिपेंट ने यह कहा.

ज्योति रात्रि ने बताया कि वह इलेक्ट्रिक व्हीकल लेकर आई। कार्बन फुटप्रिंट थीम पर कार सजाई है। मैं संदेश देना चाहती हूं कि जितना हो सके हमें कार्बन को कम करना है। मैंने डीजल गाड़ी से ई-व्हीकल कन्वर्ट किया है। जिस चीज से मैंने यह डिजाइन की है। यह भी कपड़े पर है। बाद में इस कपड़े के मैं कैरी बैग बना लूंगी। मॉडर्न और ट्रेडिशनल स्टाइल के फ्यूजन कांबिनेशन वाली ड्रेस में पहुंची मधु मेहता ने बताया कि उन्होंने अपनी कार को पर्यावरण के कई संदेश देकर सजाया। हमने सेफ ड्राइविंग का भी संदेश दिया है। लोग सेफ ड्राइव करें सीट बेल्ट लगाकर कर चलाएं ताकि सुरक्षा बनी रहे।

एक अन्य प्रतिभागी अनीता ने बताया कि वह अपनी गाड़ी के साथ कुछ आम की गुठालियां लेकर चलती हैं। जहां भी मौका मिलता है वह इन गुठलियों या सीड्स को डाल देती हैं। इस तकनीक से भी पौधे लगाए जा सकते हैं। हमने अपनी गाड़ी को भी पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। उन्होंने बताया कि वह जो ड्रेस पहन कर आई है यह एक तरह का भोपाल की बेगम का ड्रेस है

प्रदेश प्रभारी बदलने के बाद अब संगठन गढ़ने की बारी

चुनाव रिजल्ट की समीक्षा के बाद भाजपा में होगा बड़ा ऑपरेशन

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव में मिली रिकॉर्ड जीत के बाद भाजपा आलाकमान ने अब प्रदेशों के संगठन को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रीत किया है। इसी कड़ी में गत दिनों मप्र सहित 24 राज्यों के प्रदेश प्रभारियों को बदला गया। लोकसभा चुनाव के प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह और सह प्रभारी सतीश उपाध्याय को ही मप्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब संभावना जताई जा रही है कि जल्द की प्रदेश संगठन में बदलाव किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि रविवार को राजधानी में मप्र भाजपा कार्यसमिति की बैठक में चुनाव रिजल्ट की समीक्षा के बाद संगठन में बदलाव पर फोकस किया जाएगा।

रवींद्र भवन में रविवार को मप्र भाजपा कार्यसमिति बैठक में पहली बार एक हजार से ज्यादा मंडल अध्यक्ष भी शामिल हुए। पार्टी के आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा के साथ इस बैठक का खास फीचर रहा उन कार्यकर्ताओं का धन्यवाद जिन्होंने भाजपा को ये एतिहासिक जीत दिलाई। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिली एतिहासिक जीत के बाद ये पहली कार्यसमिति की बैठक हुई। इस कार्यसमिति में केन्द्र के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

महेंद्र और सतीश की जोड़ी का दिखेगा असर

भाजपा ने केंद्र में नई सरकार के बनते ही मप्र में बदलाव की शुरूआत कर दी है। शुरूआत प्रभारी एवं सह प्रभारी से की गई है। सौ प्रतिशत रिजल्ट देने वाले लोकसभा चुनावों के प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह और सह प्रभारी सतीश उपाध्याय को ही मप्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रभारियों की नियुक्ति के बाद में प्रदेश संगठन स्तर पर

बड़ा बदलाव किया जा सकता है। संभावना जताई जा रही है कि प्रदेश संगठन के गठन में डॉ. महेंद्र सिंह और सतीश उपाध्याय की जोड़ी का प्रभाव देखने को मिलेगा। संकेत पुख्ता होते ही दावेदारों को लेकर भी प्रदेश में कयास बढ़ गए हैं। लोकसभा चुनाव और नई सरकार के गठन के साथ ही भाजपा में संगठन स्तर पर व्यापक बदलाव की संभावना जताई जा रही थीं। इसकी शुरूआत राष्ट्रीय संगठन ने मप्र में प्रभारी व सह प्रभारी बदलकर की है। अब तक संगठन के प्रभारी रहे पी मुरलीधर राव प्रभारी की जिम्मेदारी से मुक्त हो गए हैं। उनके स्थान पर यूपी के एमएलसी डॉ महेंद्र सिंह (एमएलसी) प्रभारी तथा दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष सतीश उपाध्याय बीजेपी के सह प्रभारी बनाए गए हैं। इस जोड़ी ने लोकसभा चुनावों के दौरान प्रदेश में खासी मेहनत की थी। बूथ स्तर तक पहुंचकर दोनों कार्यकर्ताओं की बैठकें कर रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाई। हर जिले में संगठन के नेता और कार्यकर्ताओं के बीच दोनों की पहचान भी हो चली है। साथ ही संगठन के नेताओं से तालमेल भी छह महीने में बना है। उपाध्याय को तो 2019 के चुनाव में भी प्रदेश का सहप्रभारी बनाया गया था। विधानसभा चुनाव केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को मध्यप्रदेश का प्रभारी और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को सह प्रभारी बनाया था।

संगठन में दिखेगा इनका दम

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में 29 की 29 सीटें जीतकर मप्र भाजपा ने पूरे देश को चौंका दिया। इस वजह से सत्ता के बाद अब संगठन में मध्य प्रदेश भाजपा का दबदबा बढ़ेगा। एमपी के नेताओं को केंद्रीय संगठन में जगह मिल सकती है। संगठन में जिन्हें जगह मिल सकती है उनमें प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, अरविंद भदौरिया, जयभान सिंह पवैया सहित कई नेताओं के नाम की चर्चा है। इन नेताओं को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि सत्ता हो या संगठन भाजपा में हमेशा प्रदेश के नेताओं का दबदबा रहा है। पदाधिकारियों ने कहा कि जिस तरीके से केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य के पांच नेताओं को मंत्री बनाया है, उसी तरह आने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी मप्र के बड़े नेताओं को जगह मिलेगी। भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जहां कार्यकर्ता सत्ता की जगह संगठन में काम करना ज्यादा पसंद करते हैं। इसे लेकर कांग्रेस प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता ने कहा कि मप्र में भाजपा के कई नेता बेरोजगार हो गए हैं। जो नेता विधानसभा में चुनाव हारे और इस उम्मीद में रहे लोकसभा में उन्हें पार्टी टिकट देगी, उनकी उम्मीद पूरी नहीं हुई। ऐसे में अब ये लोग अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह चाहते हैं। इसके लिए वे लगातार लॉबिंग कर रहे हैं।

नेताओं को मिली थी इतनी बड़ी जिम्मेदारी

गौरतलब है कि वीडी शर्मा को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी दी थी। उन पर वोट शेयर बढ़ाने, मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक आकर्षित करने, युवाओं जोडने और सभी सीटें जिताने की जिम्मेदारी थी। शर्मा ने इन सभी जिम्मेदारियों को निभाया। इसका नतीजा रहा कि पूरे देश में मप्र इकलौता राज्य है जहां भाजपा ने क्लीन स्वीप किया। शर्मा खुद अपनी सीट से 5 लाख 31 हजार 229 वोटों से जीते। इसी तरह पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा को नई जॉइनिंग कमेटी का जिम्मा दिया गया था। उन्होंने पूरे प्रदेश में भाजपा में सदस्यता अभियान चलाया और कई लोगों को पार्टी में जोड़ा। खास बात यह रही कि, इस दौरान कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता और दिग्गज नेता भी भाजपा में शामिल हो गए।

कुपोषण मुक्त करने की पहल, मेरी आंगनवाड़ी लाल और पीले सूरजमुखी से मुक्त है

भोपाल। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले में इन दिनों अलग-अलग लाल, हरे, पीले रंग के सूरजमुखी के फूल दिखाई दे रहे हैं। आप सोच रहे होंगे कि यहाँ सूरजमुखी फूल की कोई हाइब्रीड वेराइटी की बात हो रही है। पर यहां बात बिल्कुल अलग है। दरअसल डिंडोरी जिले को कुपोषण से मुक्त करने की एक नई पहल शुरू की गई है।

सूरज की तरफ मुँह कर हमेशा ऊर्जा और सकारात्मकता का संदेश देता सूरजमुखी का फूल जिले की आंगनवाड़ियों, वहाँ के घरों की दीवारों पर अलग-अलग रंगों में दिखाई देती है। यह आम लोगों के कौतुहल का विषय बना हुआ है। साथ ही लोगों को अपने घर पर हरे रंग के सूरजमुखी की चाह भी बढ़ गई है। यही नहीं आंगनवाड़ी केन्द्रों पर भी कार्यकर्ता के बीच होड़ लगी है कि उनके आंगनवाड़ी केन्द्र में मेरी आंगनवाड़ी लाल एवं पीले सूरजमुखी से मुक्त है लिखा जाए। आंगनवाड़ी केन्द्र की इस पहल से परिचित होने और इन फूलों का मतलब जानने की जिज्ञासा भी आमजन में पनपी है।

आइए समझते हैं इस पहल को। तीन रंगों के सूरजमुखी

के फूल जिसमें लाल रंग अति कुपोषित बच्चा, पीला रंग मध्यम कुपोषित तथा हरे सूरजमुखी से तात्पर्य है कि आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज बच्चों में से कोई भी बच्चा कुपोषित नहीं है या यह कहें कि दर्ज सभी बच्चे स्वस्थ एवं सुरक्षित हैं। कुपो ?षण मुक्त शब्द देखते ही आंगनवाड़ी में जाकर आमजन पोषण और कुपोषण के बारे में जानकारी ले रहे हैं। नई पहल गाँव, कस्बे के लोगों को आंगनवाड़ी केन्द्र की ओर आकर्षित कर रही है, जो लोग आंगनवाड़ी केन्द्र जाने से कतराते थे, आज उत्सुकतावश केन्द्र आकर जानकारी ले रहे हैं।

डिंडोरी में यह नवाचार रेवा प्रोजेक्ट के तहत किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अति गंभीर कुपोषित तथा मध्यम कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन तथा चिन्हित बच्चों का ग्रेड परिवर्तन करते हुए सामान्य जीवन स्तर में लाना है। इसके अतिरिक्त किशोरी बालिकाओं को उनके हार्मोनल विकास के अनुकूल वातावरण प्रदान कर आत्मविश्वास, उत्साह में वृद्धि करना है। साथ ही गर्भवती महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य एवं टीकाकरण के लिए जागरूक करना है, जिससे जन्म लेने वाला बच्चा स्वस्थ हो। इसके अतिरिक्त धात्री माताओं को बच्चों एवं स्वयं के पोषण तथा स्वास्थ्य व स्तनपान के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान में रेवा प्रोजेक्ट संचालकों द्वारा स्वास्थ्य कैंप, अधिकारियों द्वारा कुपोषित बच्चों के घर भेंट, सेम बच्चों का चिन्हांकन, आंगनवाड़ी केन्द्रों में नव-दंपति मिलन सम्मेलन, सास-बहू सम्मेलन, एनीमिया केम्प, सिकलसेल कैम्प, नशामुक्ति आदि गतिविधियाँ आयोजित की जाती है।

मरीजों को सहज एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय सुनिश्चित करें: उप-मुख्यमंत्री शुक्ल

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से मध्यप्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओ ने भोपाल के निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट की। अधिष्ठाताओं ने पे-प्रोटेक्शन, लीव-प्रोटेक्शन, सर्विस-प्रोटेक्शन और नॉन-प्रैक्टिसिंग एलाउंस के बारे में उप-मुख्यमंत्री शुक्ल द्वारा किये जा रहे प्रयासों के लिये आभार व्यक्त किया। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रों की शिक्षा बेहतर करने के लिये प्रयास करें। समस्त अधिष्ठाता अस्पताल के अधीक्षकों के साथ समन्वय कर मरीजों को सहज और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल को अधिष्ठाताओं ने महाविद्यालय के संचालन, अधोसंरचणात्मक विकास एवं उन्नयन, प्रशासनिक व्यवस्था, वित्तीय आवश्यकता और मेंटेनेंस सहित अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकताओं के संबंध में अवगत कराया। उप-मुख्यमंत्री ने शीघ्र आवश्यक सहयोग मुहैया कराने की बात कही।

मेडिकल कॉलेज में प्रशासकीय अधिकारी (वित्त) की नियुक्ति, महाविद्यालयों के उन्नयन, हॉस्टल और अस्पतालों के सिविल और इलेक्ट्रिक उपकरणों के मेंटेनेंस, लेक्चर हॉल और प्रदर्शक रूम को स्मार्ट क्लास में विकसित करने के लिये बजट उपलब्ध कराने का अधिष्ठाताओं ने अनुरोध किया। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सहभागिता के लिये नीति बनाने का अनुरोध किया ताकि चिकित्सा शिक्षक और छात्र अपनी रिसर्च को विश्वस्तरीय प्लेटफार्म पर प्रस्तुत कर सकें। बैठक में डॉ प्रमेंद्र सिंह ठाकुर अधिष्ठाता बीएमसी सागर, डॉ. कविता सिंह अधिष्ठाता जीएमसी भोपाल, डॉ. धाकड अधिष्ठाता ग्वालियर,डॉ सुनील अग्रवाल अधिष्ठाता रीवा, डॉ. परमहंस अधिष्ठाता शिवपुरी, डॉ. मनीष निगम अधिष्ठाता विदिशा और डॉ मरावी अधिष्ठाता दतिया शामिल हुए।

मप्र शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए: सतीश शर्मा

भोपाल। आज पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस की प्रांतीय कार्यकारिणी का गठन होना था। निर्वाचन प्रक्रिया लगभग 1 महीने से संचालित थी। जिसमें विकास खंड स्तर, जिला स्तर, प्रांतीय स्तर पर पदस्थ पदाधिकारी भाग लेते हैं। एवं प्रांतीय प्रतिनिधि निर्वाचन प्रक्रिया से या सर्वसम्मति से अध्यक्ष का निर्वाचन करते हैं। आज प्रांतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में निर्वाचन अधिकारी द्वारा एवं प्रांतीय प्रतिनिधियों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की सतीश शर्मा को मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया जाता है। निर्वाचित अध्यक्ष सतीश शर्मा द्वारा संगठन के प्रमुख महामंत्री के रूप में श्री आशुतोष पांडे, श्रीमती अनीता सारस्वत कोषाध्यक्ष श्री अशोक प्रताप सिंह कार्यकारी अध्यक्ष सतना से एवं धर्मेंद्र प्रताप सिंह कार्यकारी अध्यक्ष ग्वालियर से श्री हरीश नामदेव कार्यकारी अध्यक्ष मालवांचल से मनोनीत किए गए। एवं संपूर्ण कार्यकारिणी के गठन की घोषणा तीन दिवस के अंदर करने की बात कही।

प्रतिनिधिमंडल की बैठक में श्री एन डी वैष्णव, सुनील मिश्रा राम रतन सिंह तोमर महामंत्री चंबल, संभाग, निशा खान छतरपुर, कौशल किशोर शर्मा ग्वालियर श्री आरती सिंह शहडोल एवं अन्य साथी, श्रीमती साधना सिंह भोपाल से साथियों सहित नर्मदा पुरम सांभग, जबलपुर सभाग इंदौर उज्जैन भोपाल सभाग एवं समस्त जिलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेमी गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल बाजपेई ने की। तथा तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ से श्री मोहन अयर जिला अध्यक्ष भोपाल, अध्यापक संवर्क श्री जितेंद्र शाक्य एवं समग्र शिक्षकसंघ से श्री महावीर प्रसाद शर्मा, मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सुभाष शर्मा एवं प्राचार्य और प्रधान अध्यापक परिषद महामंत्री सतीश श्रीवास, सुरेश सचदेवा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक श्री पी सी शर्मा जी उपस्थित थे।

पांचवे दिन भी नहीं चली 149 लो-फ्लोर बसें, दस रूट के यात्री हो रहे परेशान

भोपाल। शहर के दस रुटों पर चलने वाली 149 लो-फ्लोर बसों के पहिए पिछले पांच दिनों से थमे हुए हैं। इसके चलते उक्त रूट के हजारों बस यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

ज्ञात हो कि टिकट एजेंसी चलो एप ने प्रति किलोमीटर दी जाने वाली राशि घटाने की मांग की है। इसका विरोध बस आपरेटर मां एसोसिएट द्वारा किया जा रहा है। इस संबंध में बीसीएलएल के अफसरों ने बस आपरेटर से बात की, लेकिन बस आपरेटर प्रति किलोमीटर से दी जाने वाली राशि को घटाने की मांग को नहीं स्वीकार रहा है। इस वजह से यह मामला उलझा हुआ है। शहर के 115, 113, 116, 205, 204, 208, एसआर-8, टीआर-1, 311 और 106 रूट पर बसों के नहीं चलने से रोजाना 50 हजार से अधिक यात्री प्रभावित हो रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि उनके आपसी मसले में शहर की जनता बेवजह पीस रही है। लोग रोजाना परेशान हो रहे हैं, लेकिन बीसीएलएल के एसी केबिन में बैठने वाले जिम्मेदार अधिकारियों को यह नजर नहीं आ रहा।

राजधानी में नगर निगम क्षेत्र की सड़कें बदहाल, सुध लेने वाला कोई नहीं

पीडब्ल्यूडी की टूटी सड़कों के लिए लोकपथ, शहर के लिए कुछ नहीं

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

टूटी सड़कों का दर्द प्रदेश सरकार ने समझा पर अधूरा, क्योंकि पीडब्ल्यूडी की टूटी सड़कों की शिकायत के लिए लोकपथ एप तैयार करा दिया। जिस पर की गई शिकायत का निराकरण सात दिवस में अनिवार्य रूप से किया जाएगा, लेकिन नगर निगम क्षेत्र की सड़कों के लिए कुछ भी नहीं है। नगर निगम की टूटी सड़कों का दर्द सहने वाले शहरवासियों की पीड़ा का अहसास न तो नगर निगम के अफसरों को है और न ही प्रशासन, जनप्रतिनिधि और सरकार को है।

शहर की यह टूटी सड़कें शहर की छवि खराब करने के साथ साथ आमजन का स्वास्थ्य भी खराब कर रही हैं, लेकिन यह दर्द न नगरीय प्रशासन को दिखाई देता और न ही प्रदेश सरकार को। नगर निगम की हेल्पलाइन हेल्प लेस है और सीएम हेल्प लाइन पर सुनवाई नहीं ऐसे आमजन अपनी पीड़ा बताए तो कहां और किसे जो उसका समाधान दे सके।

न हेल्प लाइन और न सुनवाई

शहर की सड़कों में गड्ढे या गड्ढों की सड़क की शिकायत कहां की जाए इसके लिए अब तक नगर निगम की ओर से कोई भी हेल्प लाइन नंबर जारी नहीं किया गया है। जलभराव को लेकर जारी हेल्प लाइन नंबर पर गड्ढे भरने की शिकायत पर सुनवाई नहीं होती। कैलाश विहार में रहने वाले अरुण सिंह का कहना है कि सीएम हेल्प लाइन तक लगा चुके पर उसकी भी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके अलावा कोई ऐसा प्लेटफार्म नहीं है जहां पर शहरवासी अपने दर्द को बयान कर सकें, जिस पर अफसर मरहम लगा सकें। सीवर, सफाई, लाइट आदि के लिए जो हेल्प लाइन जारी की गई वह सब हेल्प लैस हैं।

गड्ढों से निकली मिट्टी, गहरे हुए गड्ढे

नगर निगम की अनदेखी झेल रहे

शहर की सड़कों के गड्ढे दिन प्रतिदिन गहरे और चौड़े होते जा रहे हैं। कुछ स्थानों पर नगर निगम ने गिट्टी और मुरम से गड्ढे भरने का दिखावा भी किया, लेकिन यह गिट्टी गड्ढे तो नहीं भर सकी पर कीचड़ जरूर कर दिया है। क्योंकि गिट्टी के साथ मिट्टी भी गड्ढों में भर दी गई। जब वर्षा का पानी गिरा तो गिट्टी बाहर आ गई और मिट्टी से कीचड़ हो गया। कुछ स्थानों पर डामर से पेच रिपेयरिंग किया लेकिन यह केवल दिखावा साबित हुआ क्योंकि चंद गड्ढों में पेच रिपेयरिंग कर इतिश्री कर ली। इसके अलावा पूरा क्षेत्र की सड़कें जर्जर पड़ी है जिन पर ध्यान तक नहीं दिया जा रहा है।

राहुल के भाजपा पर दिए बयान पर सिंधिया का निशाना

सिंधिया बोले- अहंकार देखो! जमीन पर जाकर वास्तविकता पहचानें

दीनबन्धु ■ इंदौर www.dinbandhunews.com

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का 13 राज्यों में खाता ही नहीं खुला। जहां उसकी भाजपा से सीधी लड़ाई थी। हर बार हार का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में असहिष्णुता का परिचय दे रहे हैं।

राहुल गांधी के अयोध्या को लेकर दिए बयान पर मध्य प्रदेश में सियासत गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल को अहंकारी कहते हुए कहा कि इनको जमीन पर जाकर वास्तिकता पहचाना चाहिए। राहुल गांधी के भाजपा पर हमले पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कहा कि कांग्रेस का 13 राज्यों में खाता ही नहीं खुला। जहां उसकी भाजपा से सीधी लड़ाई थी। हर बार हार का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में असहिष्णुता का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सनातन धर्म को गालियां दे रहे हैं। जनता ने तीन बार विपक्ष में बैठा दिया। सिंधिया ने कहा कि भाजपा ने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को मिली कुल सीटों से अधिक सीटें जीतीं। जहां 2024 के चुनावों में भाजपा ने 240 सीटें जीतीं, वहीं कांग्रेस ने अपनी सीटों में सुधार किया, लेकिन तीन अंकों के आंकड़े से थोड़ा कम यानी 99 पर सिमट गई। सिंधिया ने कहा कि फिर भी इनका अहंकार देखा। उन्होंने बिना राहुल गांधी के नाम लिए कहा कि उनको जमीन पर जाकर असलियत का पता लगाना चाहिए। इसके बाद ही कोई बयान देना चाहिए। बता दें राहुल गांधी ने अपने अहमदाबाद दौरे के दौरान शनिवार को बयान दिया था कि इंडिया गठबंधन ने फैजाबाद लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के राम मंदिर आंदोलन को समाप्त कर दिया है। जिसे लालकृष्ण आणवानी ने शुरू किया था। अयोध्या शहर भी फैजाबाद लोकसभा सीट का हिस्सा है।

अयोध्या नहीं, फैजाबाद हारे हैं

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि हम अयोध्या नहीं हारे हैं, फैजाबाद हारे हैं। हम अयोध्या जीते हैं और डंके की चोट पर जीते हैं। अयोध्या नाम से लोकसभा की कोई सीट नहीं है। यह नैरेटिव बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

99 के फेर का मुगालता जल्द करेंगे दूर

भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया दी कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी ने राम जन्म भूमि आंदोल को कुचलने की कोशिश की, लेकिन कुचल नहीं पाए। 6 दिसंबर को हम भी गए थे, हमने बाबरी ढांचा तोड़ा। तुम्हारे पिताजी के पास 400 थे, राम जी से टकराए तो जीरो हो गए। 99 के फेर का मुगालता जल्द दूर करेंगे। शर्मा ने कहा कि जो राम का विरोध करता है। हिंदूस्तान की जनता उसका विरोध करती है।

संपादकीय

गांवों से पलायन एवं बढ़ते शहरीकरण के खतरे

भारत में बढ़ता शहरीकरण भले ही विकास का आधार हो, लेकिन इसने अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। बढ़ता शहरीकरण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन रहा है। वर्तमान में दुनिया की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। गांवों से शहरों की ओर पलायन हो रहा है। यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक शहरी आबादी अपने वर्तमान आकार से दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने एवं नया भारत-विकसित भारत बनाने के लिये शहरीकरण पर बल दिया जा रहा है। एक विडम्बनापूर्ण सोच देश के विकास के साथ जुड़ गयी है कि जैसे-जैसे देश विकसित होता जायेगा वैसे-वैसे गांव की संरचना टूटती जायेगी। निश्चित ही जब भी शहरों में कोई नई कॉलोनी विकसित होती है तो हमें यह स्वीकारना ही होगा कि किसी न किसी गांव की कुबार्नी हुई है। एक और विडम्बना एवं त्रासदी है कि जिन्हें शहर कहा जा रहा है वहां अपने संसाधना से वंचित लोगों की बेतरतीब, बेचैन और विस्थापित भीड़ ही होगी। कुछ समय पूर्व स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच का सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें यह बात उभर कर सामने आई कि शहरों के विकास को ही भारत के विकास की धुरी माना जा रहा है। यह सही भी है क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकासशील अर्थव्यवस्था में शहरों को विकास का सबसे बड़ा वाहक माना जाता है। भारत में नवीन भारत की पहल के विचार को आगे बढ़ाने की कड़ी में शहरी बुनियादी ढाँचों में सुधार के समग्र दृष्टिकोण को अपनाये जाने की अपेक्षा है। वैश्वीकरण के उपरांत शहरी विकास की अवधारणा समावेशी विकास की एक अनिवार्य शर्त बन गई है। शहरी विकास की इस प्रक्रिया ने गाँवों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न कर दिया है। शहरों का अनियोजित विकास, महानगरों का असुरक्षित परिवेश, पर्यावरण की समस्या, बढ़ता प्रदूषण, जल का अभाव एवं शहरी संस्कृति में बढ़ते जा रहे संबंधमूलक तनाव हमें यह सोचने पर विवश करते हैं कि शहरी विकास की अवधारणा पर एक बार फिर से विचार किया जाना चाहिये। विभिन्न प्रकार के प्रदूषण उत्पन्न करने में गाँवों की तुलना में शहरों की भूमिका अधिक है, तो क्या यह कहा जा सकता है कि विकास और प्रदूषण का एक-दूसरे के साथ सकारात्मक संबंध है? बेहतर रोजगार, आधुनिक जनसुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य की लालसा में अपने पुश्तैनी घर-बार छोड़कर शहर की चकाचौंध की ओर पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति का परिणाम है कि देश में एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की संख्या लगभग 350 हो गई है जबकि 1971 में ऐसे शहर मात्र 151 थे। यही हाल दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का है। इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण को विकास का पैमाना माना जाता है। शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती हैं। यह भी सच है कि ये सुविधाएं सभी को नसीब भी नहीं होतीं। रोजगार के लिए गांवों से शहरों में आने वाले बहुत सारे लोगों को कच्ची बस्तियों, चालों या एक से दो कमरें के मकानों में किराए पर रहने को बाध्य होना पड़ता है। शहरों में बुनियादी सुविधाओं के बावजूद सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र पर खासा नकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। शहरों में रहना दूभर ही होता जा रहा है। असल में देखें तो संकट वायु प्रदूषण का हो या जंगल का, स्वच्छ वायु का हो या फिर स्वच्छ जल का, सभी के मूल में विकास की वह अवधारणा है जिससे शहर रूपी सुरसा सतत विस्तार कर रही है और उसकी चपेट में आ रही है प्रकृति और उसकी नैसर्गिकता। जिसके कारण मनुष्य की सांसें उलझती जा रही है, जीवन पर संकट मंडरा रहा है। अगर हमें पूरी समस्या से लड़ना है, तो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सहित महानगरों के स्तर पर और साथ ही पूरे देश के स्तर पर अपनी कई आदतों को बदलना होगा, विकास के तथाकथित मॉडल पर गंभीर चिन्तन करना होगा। वायु प्रदूषण का कारण पराली एवं सड़क पर दौड़ते निजी वाहनों में खोजने की बजाय हमें महानगरों के अनियोजित शहरीकरण में खोजना होगा। पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनजर शहर एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं क्योंकि शहर के विकास के लिये हरित क्षेत्र की बलि चढ़ाई जा रही है। जलवायु संबंधी परिवर्तनों ने कई शहरों के अस्तित्व को चुनौती दी है, विशेषतः समुद्र किनारे बसे शहर अब मानव निर्मित आपदाओं से अछूते नहीं रह गए हैं। इसके अलावा, तीव्र प्रौद्योगिकीय विकास शहरों में अनेक परंपरागत व्यवसाय करने वाले समूहों के लिये खतरा बन गया है क्योंकि इससे भी पर्यावरण को नुकसान होता है। देश के सभी बड़े शहरों और महानगरों में बड़ी संख्या में स्लम बस्तियाँ बन गई हैं। इनमें रहने वाले लोग शहरी जनसंख्या से संबंधित उच्च एवं मध्य वर्ग की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, परंतु वे न केवल गरीबी के शिकार हैं अपितु बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। प्रत्येक शहर में बेतरतीब यातायात एक गंभीर समस्या बन गया है क्योंकि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को लगभग समाप्त कर दिया गया है। शहर में रहने वाले समृद्ध लोग अपनी शक्ति और संपन्नता के प्रदर्शन के लिये यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और इससे बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं। शहर के लिए सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, जल चाहिए, मकान चाहिए और दफ्तर चाहिए। इन सबके लिए या तो खेत होम हो रहे हैं या फिर जंगल। जंगल को हजम करने की चाल में पेड़, जंगली जानवर, पारंपरिक जल स्रोत सभी कुछ नष्ट हो रहा है। यह वह नुकसान है जिसका हजार्ना संभव नहीं है और यही वायु प्रदूषण का बड़ा कारण है। शहरीकरण यानी रफ्तार और रफ्तार का मतलब है वाहन और वाहन है कि विदेशी मुद्रा भंडार से खरीदे गए ईंधन को पी रहे हैं और बदले में दे रहे हैं दूषित वायु। शहर को ज्यादा बिजली चाहिए यानी ज्यादा कोयला जलेगा, ज्यादा परमाणु संयंत्र लगेंगे। शहर का मतलब है औद्योगिकीकरण और अनियोजित कारखानों की स्थापना, जिसका परिणाम है कि हमारी लगभग सभी नदियां अब जहरीली हो चुकी है। महानगरों की बढ़ती आबादी को सिर छुपाने को मकान चाहिए, जिसके लिये हरीतिमा क्षेत्रों को हम कंक्रीट के जंगल में तब्दील करते जा रहे हैं। नदी थी खेती के लिए, मछली के लिए, दैनिक कार्यों के लिए, न कि उसमें गंदगी बहाने के लिए। गांवों के कस्बें, कस्बों के शहर और शहरों के महानगर में बदलने की होड़, एक ऐसी मृग मरीचिका में लगी है, जिसकी असलियत कुछ देर से खुलती है लेकिन जब खुलती है तब तक लोगों की सांस लेना दुभर हो चुका होता है, जीवन पर संकट के बादल मंडराने लगते हैं। दरअसल स्वतन्त्र भारत के विकास के लिए हमने जिन नक्शे कदमों पर चलना शुरू किया उसके तहत बड़े-बड़े शहर पूंजी केन्द्रित होते चले गये और रोजगार के स्रोत भी ये शहर ही बने। शहरों में सतत एवं तीव्र विकास और धन का केन्द्रीकरण होने की वजह से इनका बेतरतीब एवं असंतुलित विकास स्वाभाविक रूप से इस प्रकार हुआ कि यह राजनीतिक दलों के अस्तित्व और प्रभाव से जुड़ता चला गया, लेकिन पर्यावरण एवं प्रकृति से कटता गया। प्रबुद्ध नागरिक बढ़ते शहरीकरण को लेकर चिंतित रहते हैं और अनियोजित शहरी विकास को नियोजित विकास का रूप दिलाने के लिए न्यायालयों तक का दरवाजा खटखटाते हैं। इसके बावजूद अनियोजित शहरीकरण बढ़ रहा है। शहरीकरण के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। ऐसे में नीति निमार्ताओं को इस समस्या पर गंभीरता से विचार करना होगा। शहरों के विस्तार की बजाय गांवों-कस्बों के विकास पर ध्यान देना होगा। गांव आधारित आर्थिक विकास एवं आर्थिक व्यवस्था को प्रोत्साहन देना होगा। वहां रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतर व्यवस्था करके ग्रामीण आबादी को शहरों की ओर पलायन से रोका जा सकता है। इससे शहरों पर दबाव भी कम होगा और पर्यावरण, स्वास्थ्य, जीवनशैली पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव में भी कुछ हद तक कमी आएगी।

जगन्नाथ रथ यात्रा एक अनुपम भक्तिभाव

लेखक-संजय गोस्वामी

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। इस बार जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत 07 जुलाई से हो रही है। पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की। इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है।ज्येष्ठ मास में गर्मी का आरम्भ होता है, अतः पुरी में श्रीजगन्नाथ जी के चतुर्धा विग्रह को स्नान कराया जाता है। १०८ घड़ों से स्नान के बाद उनको ज्वर हो जाता है, तथा १५ दिन बीमार रहने पर उनकी चिकित्सा होती है। उसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को वे घूमने निकलते हैं। ३ रथों में जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुण्डिचा मन्दिर तक जाते हैं तथा ९ दिन बाद दशमी को लौटते हैं जिसे बाहुड़ा कहते हैं। लौटने को बहोर कहते हैं- गयी बहोर गरीब नेवाजू सरल सबल साहिब रघुराजू। (रामचरितमानस, बाल काण्ड, १२/४)। चान्द्र मास में भी जब अमावास्या के बाद चन्द्र सूर्य से दूर जाता है तब शुक्ल पक्ष की शुद्ध तिथि होती है। जब सूर्य के निकट लौटता है तब बहुल तिथि होती है।परब्रह्म के अव्यय पुरुष रूप को जगन्नाथ कहा गया है। इसे गीता (१५/१) में विपरीत वृक्ष कहा गया है। भगवान बलभद्र को बलराम, दाऊ और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है। बागियों में श्रेष्ठ होने के कारण इन्हें बलभद्र भी कहा जाता है। बलभद्र को शेषनाग के नाम से जाना जाता है और भगवान जग अर्थात श्री कृष्ण को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है।. कहा जाता है कि जब कंस ने देवकी-वसुदेव के छह पुत्रों को मार डाला था, तब देवकी के गर्भ से शेषावतार और भगवान बलराम का जन्म हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आकर्षित कर नंद बाबा के यहां रह रही श्री रोहिणी जी के गर्भ में निषेचित करवा दिया था। इसलिए उनका नाम संकर्षण पड़ा। श्री कृष्ण और बलराम की माताएं अलग-अलग हैं, लेकिन वे एक ही हैं। ध्यान से देखा जाए तो वे पहले देवकी के गर्भ में थे। बलराम सत्ययुग के राजा ककुदनी की पुत्री रेवती के वंशज थे। रेवती बलराम से काफी लंबी थी, इसलिए बलराम ने उसे अपने हल से पराजित कर दिया था। संसार की रथयात्रा में बलभद्र का भी रथ है। वे गदा धारण करते हैं। बलराम ने अपनी गदा से योगेन्द्र और भीम दोनों को मार डाला था। कौरव और पांडव दोनों ही उनके बराबर थे, इसलिए उन्होंने युद्ध में भाग नहीं

लिया। मौसूलम युद्ध में यवंश के विनाश के बाद बलराम ने समुद्र तट पर बैठकर अपने प्राण त्याग दिए।सुभद्रा श्री कृष्ण की बहन भी थीं। बलराम चाहते थे कि सुभद्रा का विवाह कौरव कुल में हो। बलराम के हठ के कारण कृष्ण ने सुभद्रा का अर्जुन से हरण करवा दिया। बाद में अर्जुन का विवाह सुभद्रा से राका में हुआ।. विवाह के बाद वे एक वर्ष तक राका में रहे और शेष समय पुकुर में बिताया। 12 वर्ष पूरे होने पर वे सुभद्रा के साथ इंद्रप्रस्थ लौट आए।. सुभद्रा का पुत्र अमौघ था, जिसे युद्ध में फंसने के कारण धन, कर्ण समेत कुल के आठ लोगों ने मार डाला था। अमौघ की पत्नी उर थी, जिसके गर्भ से पार्वती का जन्म हुआ और पार्वती के पुत्र जनमेजय थे कहा जाता है कि नरकासुर का वध करने के बाद भगवान कृष्ण अपनी बहन सुभद्रा के घर उसके भाई को लेने गए थे। सुभद्रा ने उनका स्वागत किया और अपने हाथों से उन्हें भोजन कराया और उनके गले में एक ताला डाल दिया। पुरी में जगत की यात्रा में भगवान कृष्ण के साथ बलराम और सुभद्रा दोनों की मूर्तियां रखी जाती हैं। सुभद्रा वसुदेव की पत्नी रोहिणी की पुत्री थीं, जबकि श्रीकृष्ण वसुदेव की पत्नी देवकी के पुत्र थे। इस तरह श्रीकृष्ण और सुभद्रा के पिता एक ही थे लेकिन माताएं अलग-अलग थीं। फिर भगवान जगत को बड़े भाई बलराम जी और बहन सुभद्रा के साथ राणा हाउस से नीचे उतारकर मंदिर के पास बने नान मंडप में ले जाया जाता है। उन्हें 108 कलशों से स्नान कराया जाता है। मान्यता है कि इस स्नान से भगवान बीमार हो जाते हैं और वे पुनः स्वस्थ हो जाते हैं। फिर 15 मिनट के लिए भगवान जगत को शेष कलश में रखा जाता है। इसे शेष घर कहते हैं। 15 मिनट की इस अवधि में मंदिर के मुख्य सेवक और वैभव के अलावा महाप्रभु के दर्शन कोई नहीं कर सकता। इस अवधि में मंदिर में महाप्रभु की प्रभात की पूजा की जाती है और उनकी पूजा की जाती है। 15 मिनट के बाद भगवान स्नान कर कलश से बाहर आते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं। इसे नव युवा नैत्र उत्सव भी कहते हैं। इसके बाद भगवान कृष्ण और बड़े भाई श्रीकृष्ण भाई बलभद्र और सुभद्रा के साथ पुरी आते हैं और रथ पर बैठने की बजाय नगर भ्रमण पर निकलते हैं।वेद में इनको ५ प्रकार से दारु ब्रह्म कहा गया है-जगत का आधार, निरपेक्ष द्रष्टा, निर्माण सामग्री, निर्माण की शाखायें या विविधता, चेतन तत्त्व या संकल्प-कर्म-वासना का चक्र। परमात्मा तथा उसके व्यक्ति रूप आत्मा का सम्बन्ध देखने पर, आत्मा का कर्म रूप जीव (बाइबिल का आदम-ईव) पत्नी है, जगन्नाथ पति हैं, उन दोनों के बीच सुभद्रा रूपी माया का आवरण ननद है। ननद का अर्थ है न-नन्दति, अर्थात् भाई को पत्नी से अधिक प्रेम करते देख प्रसन्न नहीं होती। इस भाव में विद्यापति, कबीर, महेन्द्र मिश्र आदि के कई निर्गुण गीत हैं। तुलसीदास जी ने इनका वर्णन किया है-आगे राम लखन बने पाछे। तापस वेश विराजत काछे॥उभय बीच सिय सोहति कैसी। ब्रह्म जीव बिच माया जैसी॥ (रामचरितमानस, २/१२२/१) आगे श्री रामजी हैं, पीछे लक्ष्मणजी सुशोभित हैं। तपस्वियों के वेष बनाए दोनों बड़ी ही शोभा पा रहे हैं। दोनों के बीच में सीताजी कैसी सुशोभित हो रही हैं, जैसे ब्रह्म और जीव के बीच में माया।जगन्नाथ के कई देव रूप हैं-विश्व का वास या आधार-वासुदेवजगत का क्रिया रूप = जगन्नाथचेतन तत्त्व = पुरुषमूल स्रोत से पूर्ववत्सृष्टि = वृषा-कपि (हनुमान)=जल जैसे स्रोत का पान कर ब्रह्माण्ड, तारा, ग्रह आदि विन्दुओं की सृष्टि।तत्र गत्वा जगन्नाथं वासुदेवं वृषाकपिम्। पुरुषं पुरुषसूक्तेन उपतस्थे समाहितः॥ (श्रीमद् भागवत पुराण, १०/१/२०)एक ही परम तत्त्व के चतुर्धा विग्रह है-जगन्नाथ = चेतन तत्त्वबलभद्र = विश्व के निर्मित रूपसुभद्रा = माया का आवरणसुदर्शन = आकाश। सौर मण्डल में क्रान्ति वृत्त (पृथ्वी कक्षा) ही सुदर्शन चक्र है जो चन्द्र के २ पात (राहु-केतु) को काटता है, या राहु का सिर काटता है।अन्य रूप में ४ व्यूह कहे गये हैं-वासुदेव - आकाश संकर्षण = परस्पर आकर्षण से ब्रह्माण्ड, तारा, ग्रह क्रम से सृष्टि।प्रद्युम्न = तारा से ज्योति निकलना जिससे जीवन चल रहा है।अनिरुद्ध = अनन्त प्रकार या विविध सृष्टि (चित्राणि साकं दिवि रोचनानि ---, अथर्व वेद, १९/७/१)रथयात्रा सृष्टि चक्र है जिसके १० सर्ग इसके १० दिन हैं। १ अव्यक्त स्रोत, ९ व्यक्त सृष्टि।अथ यद् दशमे अहन् प्रसूतो भवति यस्माद् दशपेयो (शतपथ ब्राह्मण, ५/४/५/३)अथ यद् दशमं अहः उपयन्ति। संवत्सरं एव देवता यजन्ते। (शतपथ ब्राह्मण, १२/१/३/२०)श्रीः वै दशमं अहः (ऐतरेय ब्राह्मण, ५/२२)प्रतिष्ठा दशमं अहः (कौषीतकि ब्राह्मण, २७/२, २९/५)अन्तो वा एष यज्ञस्य यद् दशमं अहः (तैत्तिरीय ब्राह्मण, २/२/६/१)प्रजापतिः वै दश होता (तैत्तिरीय ब्राह्मण, २/२/१/१ आदि)संवत्सर चक्र रूप में जगन्नाथ के रथ का चक्र जगन्नाथ मन्दिर से गुण्डिचा मन्दिर तक जाने में ३६५ बार घूमता है।मनुष्य का गर्भ में जन्म चन्द्र की १० परिक्रमा (२७३ दिन) में होता है। प्रेत शरीर चान्द्र कक्षा की वस्तु है, उसका निर्माण पृथ्वी के १० अक्ष भ्रमण या १० दिन में होता है।जगन्नाथ का स्नान, ज्वर आदि मनुष्य रूप की क्रियायें है। उनका स्नान केवल दिखाने के लिए है, जिसे गज स्नान कहते हैं। हाथी स्नान करने केबाद अपने शरीर पर धूल फेंकता है। अतः स्नान पूर्णिमा के दिन जगन्नाथ भी गणपति वेष धारण करते हैं।१९७७ की स्नान पूर्णिमा दिन वर्षा हुयी थी। बाणासुर ने युद्ध में माहेश्वर ज्वर =वुहान- का कोरोना वायरस का प्रयोग किया था जिसके बलराम जी बीमार हो गये थे। तब भगवान- कृष्ण ने वैष्णव ज्वर या योग बल से उसे शान्त किया था। योग द्वारा ही वायरस से सुरक्षा हो सकती है-भागवत पुराण, १०/६३/२२२४, हरिवंश पुराण, विष्णु पर्व, १२२/७१-८१) स्नाने प्रभोरवसिते बलभद्र भद्रा, युक्तस्य युक्तमिह मत्तगजोपमस्य।राजाप्यसौ गजपतिर्धृतमार्जनीकः, यत्स्नानवेदिमिह मार्ष्टि यथा रथं ते॥१३॥पुरी के राजा को गजपति कहते हैं। वे भगवान- के सेवक रूप में उनकी यत्रा के पहले रास्ते को झाड़ू से साफ करते है। इसी प्रकार मेवाड़ के महाराणा भी एकलिंग के दीवान रूप सेवक हैं श्री जगन्नाथ देवस्य स्नान पञ्चदशिस्तवः।क्लृप्तस्सुन्दरराजेन कल्पतां विदुषां मुदे॥१७॥पहले कृष्णावतार में गोवर्धन धारण कर इन्द्र कि वर्षा को रोक दिया था, बदला लेने के लिए उनकी स्नान यात्रा के समय अब इन्द्र वर्षा कर रहे हैं। भगवान जगन्नाथ के रथ में 16 पहिये होते हैं। रथ को शंखचूड़ रस्सी से खींचा जाता है। रथ को बनाने के लिए नीम की लकड़ी का प्रयोग किया जाता है इस दिन तीन विशालकाय और भव्य रथों पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और देवी सुभद्रा विराजमान होते हैं। सबसे आगे बलराम जी का रथ चलता है, बीच में बहन सुभद्रा जी होती हैं और सबसे पीछे भगवान जगन्नाथ जी का रथ चलता है।जगन्नाथ भगवान विष्णु के एक अन्य अवतार राम के रूप में तुलसीदास के सामने प्रकट हुए, जिन्होंने उन्हें राम के रूप में पूजा और 16वीं शताब्दी में पुरी की अपनी यात्रा के दौरान उन्हें रघुनाथ कहा। कभी-कभी उन्हें कृष्ण (यानी, बुद्ध-जगन्नाथ) या विष्णु (यानी, वामन) के अवतारों में से एक माना जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथयात्रा भगवान विष्णु के अवतार भगवान जगन्नाथ की भक्ति का प्रतीक है। यह त्योहार समानता और भाईचारे का संदेश देता है। रथ यात्रा पुरी शहर और ओडिशा राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक उत्सव है।

आइये हम सब मिलकर सफल बनाए एक पेड़ मां के नाम अभियान

लेखक- डॉ. मोहन यादव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के पुनीत अवसर पर 5 जून को बुद्ध जयंती पार्क में एक पौधा लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की थी। उन्होंने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 111 वें एपिसोड में इस अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रत्येक देशवासी से अपनी मां के प्रति सम्मान स्वरूप कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने की मार्मिक अपील की थी। प्रधानमंत्री की उस मार्मिक अपील ने देशवासियों के दिलों को छू लिया और देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों के बीच अपनी मां के प्रति अपने सम्मान की अभिव्यक्ति के रूप में पौधे रोपित करने की होड़ लग गई। एक माह के अंदर ही देश भर में करोड़ों पौधे लगाए जा चुके हैं और यह अभियान 140 करोड़ पेड़ लगाने के लक्ष्य की ओर द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। हर भारतवासी अपूर्व उत्साह के साथ इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आतुर है। पर्यावरण की सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित इस अभियान को मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की अनूठी उपलब्धि मानते हुए उन्हें मध्यप्रदेश की जनता की ओर से साधुवाद देता हूं। इसमें कोई संदेह नहीं कि एक पेड़ मां के नाम अभियान आक्सीजन की मात्रा बढ़ाने, धरती का तापमान कम करने, भूजल स्तर को ऊपर लाने और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान करने में समर्थ होगा।

मुझे प्रसन्नता है कि भारतीय जनसंघ (वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी) के संस्थापक और महान देशभक्त स्वर्गीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस की शुभ तिथि 6 जुलाई से एक पखवाड़े के अंदर भोपाल जिले में 20 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। अकेले 6 जुलाई को भोपाल जिले में विभिन्न स्थानों पर 12 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। 6 जुलाई को नगर निगम भोपाल द्वारा 300 स्थानों पर पौधे लगाने के लिए सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। भोपाल में 480 हेक्टेयर क्षेत्र में 20 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी तरह प्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर में 51 लाख पौधे लगाने के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा चुका है। एक जुलाई से 15 जुलाई तक एक पेड़ मां के नाम अभियान को युद्ध स्तर पर संचालित किया जा रहा है। एक पखवाड़े तक चलने वाले इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। मुझे पूरा विश्वास है कि मध्यप्रदेश एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत जन-जन की भागीदारी से एक पखवाड़े के अंदर अपना लक्ष्य प्राप्त करने में सफल होगा। हम निश्चित रूप से सारे देश में एक अनूठा कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश के हर शहर, गांव और कस्बे के लोगों में इस अभियान जुड़ने की जो उत्कंठा जाग उठी है वह उनके मन में मां के प्रति अगाध श्रद्धा और आदर की परिचायक तो है ही, साथ ही यह प्रधानमंत्री मोदी के प्रति उनके विश्वास और प्रेम की अभिव्यक्ति भी है। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के इस भरोसे की कसौटी पर खरा उतरने के लिए कटिबद्ध है कि केंद्र सरकार की अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं और अभियानों की भाँति एक पेड़ मां के नाम अभियान की सफलता में भी मध्यप्रदेश का योगदान अहम साबित होगा। यहां यह विशेष उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश ने 2017 में भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही देश में एक दिन में सबसे ज्यादा पौधे लगाने का कीर्तिमान स्थापित किया था। तब 15 लाख वालंटियर ने प्रदेश भर में 12 घंटे में 6. 6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए थे। तत्कालीन भाजपा सरकार के उस अविस्मरणीय अभियान में प्रदेश की जीवन रेखा पुण्य सलिला नर्मदा के किनारे 20 अलग-अलग प्रजातियों के पौधे लगाए गए थे। मुझे विश्वास है कि जन-जन की भागीदारी से एक पेड़ मां के नाम अभियान में भी मध्यप्रदेश का योगदान से पर्यावरण की सुरक्षा के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचने में सफल होगा। मैं मानता हूं कि माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने पर्यावरण रक्षा के इस पुनीत अभियान को एक पेड़ मां के नाम का रूप देकर इसे मातृवंदना से जोड़ने की जो स्तुत्य पहल की है उसके लिए वे भूरि-भूरि प्रशंसा के हकदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी का अपनी मां के प्रति जो समर्पण और श्रद्धाभाव रहा है वह हम सबके लिए प्रेरणा का विषय है। इस अभियान का एक निहितार्थ यह भी है कि हम सब प्रकृति की गोद में ही पलकर बड़े होते हैं। अतः इस अभियान से जुड़ कर हमें प्रकृति के प्रति अपने फर्ज को भी पूरा करने की संतुष्टि मिल सकती है। मैं प्रदेशवासियों से हार्दिक अपील करता हूं कि वे इस पुनीत अभियान को सफल बनाने के लिए तत्परता से आगे आकर इसमें प्राणपण से सहयोग प्रदान करें। यशस्वी प्रधानमंत्री की पहल पर शुरू किया गया यह पुनीत अभियान पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान करने में समर्थ होगा।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

बरसात के पानी का पोल-खोल अभियान

लेखक - राकेश अचल

बरसात ईडी और सीबीआई से ज्यादा मजबूत जांच एजेंसी है। बरसात का पानी देश में समानदृष्टि से निर्माण कार्यों में हुई धांधली की पोल खोलता है । बरसात का पानी जो भी करता है दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करता है। बरसात का न किसी गंठबंधन के साथ तालमेल है और न कोई कॉमन मिनिमम प्रोग्राम। बरसात तो आती है और अपना काम कर वापस लौट जाती है दोबारा आने के लिए। इस बरसात ने केंद्र से लेकर राज्य सरकारों तक की पोल खोली है। बरसात का ये पोल-खोल अभियान अभी जारी है। देश में बरसात कमोवेश हरेक हिस्से में होती है। कहीं कम ,तो कहीं ज्यादा। बरसात को अपना काम करने के लिए न जनादेश की जरूरत पड़ती है और न किसी अध्यादेश की । बरसात का नियंता तो इंद्र है। इंद्र देवता है। खुश भी करता है और कुपित भी होता है। जब संयम से बरसता है तो किसानों के चेहरे खिल उठते हैं ,क्योंकि बरसात के पानी से ही खेत सोना उगलते हैं और जब कुपित होता है तो जल-प्लावन कर असंख्य जानें ले लेता है। इस लिहाज से बरसात का ,बादलों का नियंता बहुरूपिया है हमारे नेताओं की तरह। इंद्र की फितरत सैकड़ों,हजारों सालों से नहीं बदली। देश-दुनिया में सरकारें बदलतीं है किन्तु इंद्र नहीं बदलता। द्वापर में इंद्र का मान -मर्दन करने के लिए कृष्ण था । उन्होंने गोवर्धन को अपनी लाठी पर ऊपर उठाकर बचा लिया था ,लेकिन कलियुग में इंद्र तो है किन्तु कोई कृष्ण नहीं है। देश में निर्माण कार्यों के जरिये नेता,इंजीनियर और ठेकेदार खूब कमाते-खाते हैं लेकिन इन सबकी पोल बरसात के जरिये इंद्र ही खोलता है । इस बार सबसे पहले बिहार की पोल खुली। एक के बाद एक कर कोई एकदर्जन पुल गिर गए। किसी का कुछ नहीं बिगड़ा । कुछेक इंजीनियर निलंबित किये गए। उन्हें बरसात के बाद बहाल कर दिया जाएगा। जो पुल बहे वे बदनसीब थे। सरकार इसमें क्या कर सकती है। सरकार का काम पुल बनाना है और बरसात का काम पल गिराना और बहाना है। यदि पुल बहेंगे नहीं तो नए कहाँ से बनेंगे। आज के नेता शेरशाह सूरी या कोई अंग्रेज तो नहीं हैं जो ऐसे पुल बनवा दें जो सदियों तक चलें ? हमारे देश में मुगलों और अंग्रेजों के जमाने के तमाम पुल अभी भी पूरी निष्ठा से अपना काम कर रहे हैं। देश में बहने या गिरने का काम केवल पुल ही नहीं करते ,हवाई अड्डे की छतें और केनोपी भी करतीं हैं। देश की राजधानी दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय इंदिरागांधी हवाई अड्डे की केनोपी टपक रही हैं । कर पार्किंग की छत बैठ गयी है। इंदौर,जबलपुर,ग्वालियर और अयोध्या में बनाये गए नए-नवेले हवाई अड्डे निर्माण कार्यों की पोल खोल रहे हैं। रेलवे स्टेशनों की तिवारें ही नहीं रामलला के नवनिर्मित मंदिर की छत भी टपक रही है। लेकिन किसी का न तो रोम फड़क तरह है और न कोई इस बारे में सोच रहा है। सरकार का बस चले तो वो इस तरह का पोल-खोल अभियान चलने वाले इंद्र को स्वर्ग से गिरफ्तार कर हवालात में डाल दे ,लेकिन ये हो नहीं सकता। कोई ईडी या सीबीआई वाला स्वगारोहण कर इंद्र की गिरफ्तारी करने का करिश्मा नहीं दिखा सकता। बैशाखियों पर टिकी सरकार के पास भी ऐसी कोई ताकत नहीं है जो वो इंद्र को हटक सके। बरसात को होने से रोक सके । सरकारें अपना काम कर रहीं है और बरसात अपना काम कर रही है । सरकार बरसात से नहीं डरती और बरसात सरकार से नहीं खुलती दिखाई देगी।

रसोईया की डर्टी मिड डे मील, आंगनबाड़ी के भोजन में निकले कीड़े और चीटियां, दाल में सिर्फ पानी

भोपाल (नगर संवाददाता)

जिले में मध्यान्ह भोजन में कीड़े निकलने की घटना सामने आई है। दरअसल ग्राम बकछेरादौना के जमगांव टोला आंगनवाड़ी केंद्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब समूह की महिलाएं बच्चों के लिए खाना लेकर आईं। जैसे ही खाने का ढक्कन खोल गया, पूरे कमरे में खाने से निकली हुई बदबू फैल गई। चावल में कीड़े एवं चीटियां पड़ी हुई थीं। दाल में पानी के अलावा कुछ नहीं था। पूरा खाना सड़ा हुआ था।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने इस बात की शिकायत समूह की रसोईया रमा दुबे से की तो उसने अपनी तबीयत खराब होने का बहाना बनाते हुए सीधे अपना पल्ला झाड़ लिया। उसने बताया कि आज का खाना मेरे पति के द्वारा बनाया गया है। खाना इतना बदबूदार था की जैसे 3 से 4 दिन पहले बनाया गया हो। एक तरफ जहां शासन की मनशा है कि प्रत्येक बच्चे को पौष्टिक भोजन प्राप्त हो, वहीं दूसरी ओर ऐसे महिला समूह शासन की मनशा पर पलीता लगाते हुए नजर आ रहे हैं।समूह की महिला से जब पूछा गया कि बच्चों को किस मेन्यू के आधार पर भोजन परोसा जाता है, तो वह इधर उधर झांकती हुई नजर आई। इनको दाल चावल, कड़ी और खिचड़ी के अलावा कुछ और पता ही नहीं है। स्कूल का भवन और रसोई इतनी जर्जर हालत में है कि जहां बच्चे ना बैठकर ज्ञान अर्जन कर सकते हैं और न ही भोजन बनाने की समुचित व्यवस्था है। ऐसे में यह महिला समूह अपने घर से भोजन बना कर लाते हैं और मनमानी करती हैं।

ऐसे पढ़ेगा इंडिया तो कैसे बढ़ेगा इंडिया! बालाघाट जिले के सेलवा का मिडिल स्कूल शिक्षक विहीन

भोपाल (नगर संवाददाता)

विकासखंड कटंगी के सेलवा गांव के बच्चे बेहतर शिक्षा को तरस रहे हैं। गांव के शासकीय माध्यमिक शाला में एक वर्ष से शिक्षक नहीं हैं। भृत्य यानी चपरासी स्कूल की जिम्मेदारी संभाल रहा है।

स्कूल की हेडमास्टर के सेवानिवृत्त होने के बाद से अब तक यहां शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो पाई। बीते सत्र अतिथि शिक्षकों के भरोसे स्कूल संचालित होता रहा।16 जून से नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो चुकी है और अतिथि शिक्षकों की भर्ती के आदेश शासन से जारी नहीं हुए हैं। ऐसे में गांव की ही दो शिक्षित बेरोजगार महिलाएं और एक युवक नि:शुल्क शिक्षा दे रहे हैं। शासकीय माध्यमिक शाला की प्रधानाध्यापक बागड़े के सेवानिवृत्त होने के बाद शिक्षा विभाग ने अगस्त 2023 से इस स्कूल की जिम्मेदारी शासकीय प्राथमिक शाला सेलवा की प्रधानपाठिका संगीता पटले को दी है। जिसके बाद प्रधानपाठिका दोहरी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। उनके पास शैक्षणिक कार्य के अलावा विभागीय कार्यों को भी समय पर पूरा करने का दबाव है। फिलहाल गांव के एक युवक व दो महिलाओं ने स्वेच्छा से स्कूल पहुंचकर बच्चों को पढ़ाना शुरू किया है। वहीं पूर्व में जिन अतिथि शिक्षकों की यहां नियुक्ति थी, वे शासन के भर्ती के आदेश की राह देख रहे हैं। इस स्कूल पर न तो जनप्रतिनिधियों ने कोई ध्यान दिया और न ही जिम्मेदार अफसरों ने। ग्रामीण कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से स्कूल में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग कर चुके हैं लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

बुंदेली चाट का मजा लेने ठेले पर पहुंचे फिल्म अभिनेता कार्तिक आर्यन, लोगों ने साथ में ली सेल्फी

भोपाल (नगर संवाददाता)

निवाड़ी। निवाड़ी मध्य प्रदेश जिले की पर्यटन और धार्मिक नगरी ओरछा में चल रही भूल भूलैया 3 की शूटिंग के लिये ओरछा पहुंचे फिल्म अभिनेता कार्तिक आर्यन एक चाट की दुकान पर बुंदेली चाट का लुत्फ उठाते हुए दिखाई दिये। कार्तिक आर्यन के आने का पता लगते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और सभी लोग सेल्फी खिंचाते हुए दिखाई दिये। बता दें कि फिल्म भूलभूलैया 3 की शूटिंग पर्यटन नगरी ओरछा में चल रही है। ओरछा में प्राचीन धरोहरें और महल होने के कारण फिल्म के लिये ओरछा उपयुक्त है। इसीलिये फिल्म की शूटिंग के लिये ओरछा को तय किया गया है। पिछले तीन चार दिन से ओरछा में फिल्म की शूटिंग चल रही है, जिसमें फिल्म अभिनेता कार्तिक आर्यन और अभिनेत्री तृप्ति डिमरी यहां की एतिहासिक धरोहरों में फिल्म के कुछ अंश शूट कर रहे है।

आज शूटिंग से समय निकालकर शाम छह बजे अभिनेता कार्तिक आर्यन ओरछा के मुख्य चौराहे पर प्रसिद्ध राजू चाट भंडार पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राजू चाट भंडार पर आलू टिक्की और भेल का लुत्फ उठाया। कार्तिक आर्यन के आने की खबर जैसे ही उनके प्रशंसकों को लगी वैसे ही मौके पर हुजूम उमड़ पड़ा और सेल्फी खिंचने वालों में होड़ मच गई। कार्तिक आर्यन ने भी चाट खाते खाते प्रशंसकों के साथ सेल्फी ली। बहरहाल अभी कुछ दिन और कार्तिक व उनकी पूरी टीम ओरछा में है और फिल्म की शूटिंग कर रहे है।

अचानक जज साहब के घर पहुंचने लगे ट्रैफिक के चालान

ग्वालियर। आप वाहन मालिक हैं और वाहन चलाएं बिना ही आपको चालान मिलने लगे तो सोचिए यह बात कितनी अचंभित करने वाली होगी। उस पर भी न तो यातायात विभाग गलत हो और न ही वाहन मालिक तो यह बात और भी अजीब लगती है। लेकिन यह चौंकाने वाला मामला मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में सामने आया है, जहां एक जज के घर उनकी गाड़ी के एक नहीं बल्कि कई चालान पहुंचे। जबकि जज साहब की गाड़ी उनके घर से निकली ही नहीं। क्योंकि यहां एक शख्स फर्जी नंबर प्लेट के जरिए वाहन चलाए जा रहा था।असल में यह पूरा मामला एक फर्जी नंबर प्लेट की वजह से सुर्खियों में आया। ग्वालियर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निरंजन शर्मा ने बताया कि ग्वालियर के रहने वाले एक न्यायाधीश जो जिले से बाहर पदस्थ हैं उनकी पत्नी के नाम से एक स्कूटी घर में इस्तेमाल होती है। लेकिन पिछले कुछ समय से लगातार उनके घर रेड सिग्नल तोड़ने के ऑटो जेनरेटेड इलेक्ट्रॉनिक चालान पहुंच रहे थे। जबकि उनकी गाड़ी घर में ही रखी हुई थी और उसका इस्तेमाल नहीं हो रहा था। ऐसे में परेशान होकर इस संबंध में उन्होंने ग्वालियर साइबर क्राइम को एक शिकायत की।साइबर क्राइम में जज की शिकायत मिलने पर साइबर सेल टीम पूरे मामले की पड़ताल में जुड़ गई। इसके बाद 2 दिन के अंदर ही पुलिस ने उस आरोपी को पकड़ लिया, जिसकी स्कूटी पर जज साहब की पत्नी के नाम से रजिस्टर्ड गाड़ी का नंबर प्लेट लगा हुआ था। जब आरोपी युवक से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि च्च्उसने यह स्कूटी अपने एक पहचान वाले को 25000 रुपए देने के बदले में गिरवी रखी थी और उसे यह पता ना चले कि उसकी स्कूटी इस्तेमाल हो रही है इसके लिए उसने एक फर्जी नंबर प्लेट लगा ली थी।फर्जी नंबर प्लेट होने की वजह से आरोपी युवक यातायात नियमों का सरेआम उल्लंघन कर रहा था। लगातार रेड सिग्नल जंप कर रहा था और सिग्नल तोड़ने पर जारी होने वाला ई-चालान जज साहब के घर पहुंच रहा था। पूरा मामला सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी युवक के ऊपर भारतीय न्याय संहिता और यातायात नियमों के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

मध्यप्रदेश के लिए रेलवे लांच करेगा 6 नई ट्रेन

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश को जुलाई महीने में दो नई वंदे भारत की सौगात मिलने जा रही है। पीएम मोदी कई वंदे भारत एक्सप्रेस को इसी महीने जुलाई में लॉन्च करने वाले हैं। जिसमें दो नए रूटों पर एमपी में वंदे भारत दौड़ेगी। वहीं एमपी के कुछ शहरों में 3 वंदे भारत मेट्रो भी जल्द ही दौड़ती नजर आएंगी। इन सभी वंदे भारत मेट्रो को राजधानी भोपाल से जोड़ा जाएगा और ये सभी मेट्रे 200 किमी के दायरे में चलेंगी। इसके अलावा इटारसी और भोपाल के बीच जल्द ही एक मेमू ट्रेन की भी शुरूआत होगी। मध्य प्रदेश को एक बार फिर वंदे भारत की सौगात मिलने जा रही है। वंदे भारत की ये सौगात जुलाई महीने में मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जुलाई महीने में देश के कई रूटों के लिए वंदे भारत लॉन्च करने वाले हैं। जिसमें 2 वंदे भारत एक्सप्रेस मध्य प्रदेश में भी लॉन्च होगी। इन वंदे भारत में एक ट्रेन का रूट जयपुर से इंदौर होगा। जयपुर से इंदौर की 625 किमी की दूरी वंदे भारत एक्सप्रेस 8 घंटे में पूरी करेगा। इसके बाद दूसरी वंदे भारत जबलपुर से रायपुर रूट पर चलेगी। 512 किमी की दूरी साढ़े 6 घंटे में यह दूरी तय करेगी। ये सप्ताह के 6 दिन चलेगी जबकि सप्ताह में एक दिन मेंनटेनेंस किया जाएगा।

वंदे भारत के अलावा मध्य प्रदेश में वंदे भारत मेट्रो की भी सौगात मिलने वाली है।रेलवे के अनुसार राजधानी भोपाल से 200 किमी की दूरी वाले शहरों को वंदे भारत मेट्रो के जरिए राजधानी से जोड़ा जाएगा। इनमें बैतूल, सागर और शाजापुर को शामिल किया गया है। भोपाल से बीना होते हुए वंदे भारत मेट्रो सागर तक चलेगी। भोपाल से होशंगाबाद होते हुए बैतूल और तीसरी मेट्रो भोपाल से सीहोर होते हुए शाजापुर तक चलेगी। फाइनल शेड्यूल आने के बाद भी ट्रेनों के रूट में कुछ बदलाव भी हो सकता है। रेलवे के अनुसार जुलाई में वंदे भारत मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हो सकती है।

मध्य प्रदेश को 4 वंदे भारत की सौगात पहले ही मिल चुकी है। वर्तमान में नई दिल्ली-रानी कमलापति वंदे भारत, भोपाल से इंदौर वंदे भारत, भोपाल से जबलपुर वंदे भारत और भोपाल से खजुराहो वंदे भारत चल रही हैं। वहीं एक अन्य वंदे भारत हजरत निजामुद्दीन-खजुराहो तक चल रही है।

इसके अलावा भोपाल से स्पेशल स्लीपर वंदे भारत ट्रेन भी जल्द शुरू होना है। ऐसा बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश के भोपाल को ये पहली स्लीपर वंदे भारत जुलाई महीने के अंत तक मिल सकती है। हालांकि, ये स्लीपर वंदे भारत भोपाल से किस शहर के लिए चलाई जाएगी यह तय नहीं है।

इधर इटारसी और भोपाल के बीच जल्द ही एक मेमू ट्रेन की शुरुआत होने वाली है। होशंगाबाद विधायक डॉ। सीतासरन शर्मा ने मध्यप्रदेश विधानसभा में शनिवार को एक अशासकीय संकल्प पेश किया। इस अशासकीय संकल्प के पूरा होते ही केंद्र सरकार अगर इस संकल्प को मंजूरी दे देती है तो जल्द ही इटारसी और भोपाल के बीच मेमू ट्रेन शुरू होगी। इस ट्रेन के शुरू होने से रोजाना इस रूट पर सफर करने वालों को बड़ी राहत मिलेगी।

दवाइयों का कॉकटेल बिगाड़ेगा सोयाबीन का खेल

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश के पीले सोने सोयाबीन की फसल की बुवाई का कार्य संपन्न हो चुका है। कई क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल 15 से 20 दिन की अवस्था में प्रवेश कर रही है। सोयाबीन उत्पादक किसान सोयाबीन की फसल में खरपतवार और कीट प्रबंधन के कार्य में जुटे हुए हैं। लेकिन अधिकांश क्षेत्रों में किसान खरपतवार नाशक और कीटनाशक का प्रयोग एक साथ बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह के बिना करते हैं। दवाइयां का यह कॉकटेल फसल के लिए हानिकारक भी हो सकता है। कई बार किसानों की खड़ी फसल ही इस वजह से बर्बाद हो जाती है। इसलिए किसान भाइयों को कृषि वैज्ञानिकों कृषि विभाग के विशेषज्ञों से सलाह और मार्गदर्शन लेकर ही सोयाबीन की फसल में खरपतवार और कीट प्रबंधन करना चाहिए। दरअसल, सोयाबीन की फसल में 15 से 20 दिन की अवस्था में खरपतवार प्रबंधन का कार्य मुख्य तौर पर किया जाता है। इसके साथ ही कीट प्रबंधन का कार्य भी किसान 20 से 35 दिन की अवस्था में करते हैं। कई बार किसान एक ही बार में खरपतवार नाशक और कीटनाशक स्काई स्प्रे अपने खेत में कर देते हैं। इसके विपरीत परिणाम भी देखने को मिलते हैं। कृषि विभाग की उपसंचालक नीलम सिंह चौहान ने एडवाइजरी जारी कर किसानों को कृषि विशेषज्ञों द्वारा अनुशंसित खरपतवार नाशक एवं कीटनाशक का उपयोग करने और बिना सलाह दवाइयों का कॉकटेल नहीं करने की सलाह दी है। खरपतवार नाशक और कीटनाशक का कॉकटेल बनाकर फसल में स्प्रे करने पर दोनों का प्रभाव फसल पर नहीं हो पाता है। फसल में ना तो कीटों की रोकथाम हो पाती है और ना ही खरपतवार की। महंगे दामों पर खरीदी गई दवाई बेकार चली जाती है। कई मामलों में सोयाबीन की नाजुक फसल जल जाती है। पौधे की बढ़वार रुक जाती है।बहरहाल किसान भाइयों को कृषि विभाग के फील्ड ऑफिसर और विषय विशेषज्ञों से सलाह लेने के बाद ही सोयाबीन की फसल में खरपतवार और किट का प्रबंधन करना चाहिए।

जानवरों को बसाने के लिए इंसानों ने छोड़ दिया अपना घर

भोपाल (नगर संवाददाता)

लगातार बढ़ रही आबादी के चलते जहां जंगली जानवरों के आशियाना यानी जंगल काटकर गांव और घर बसाने की खबरें आती हैं उसके उलट पेंच टाइगर रिजर्व से सटे करमाझिरी गांव के ग्रामीणों ने मिसाल पेश की है। यहां के ग्रामीणों ने जंगली जानवर के लिए अपना घर और गांव छोड़ने का ऐलान किया है।पेंच नेशनल पार्क के बफर जोन से लगे वन ग्राम करमाझिरी गांव में 450 एकड़ जमीन है। जहां की आबादी करीब 1000 लोगों की है। पेंच नेशनल पार्क में जानवरों की संख्या अधिक होने की वजह से जानवर गांव में कई बार घुस आते हैं। ग्रामीणों ने सामूहिक चौपाल लगाकर निर्णय लिया है कि जंगल में जानवरों के लिए जगह कम पड़ रही है इसलिए क्यों ना अपना गांव खाली करके किसी दूसरी जगह बसा लिया जाए, ताकि जंगली जानवरों को रहने के लिए पर्याप्त जगह मिल सके और इसकी सूचना उन्होंने बकायदा वन विभाग सहित सरकार को भी दी है।आमतौर पर देखा जाता है कि जब सरकार किसी भी प्रोजेक्ट के लिए ग्रामीण या किसानों से जमीन अधिग्रहण करती है तो इसका विरोध देखने को मिलता है, लेकिन इस गांव के लोगों ने ऐसा बिल्कुल नहीं किया। ग्रामीणों ने जंगली जानवरों की सुविधा के लिए चौपाल लगाकर फैसला लिया और अनोखी मिसाल पेश कर दी। बता दें कि जुलाई 2022 में मध्य प्रदेश सरकार ने पेंच नेशनल पार्क से सटे वन ग्राम करमाझिरी को वन अभ्यारण्य घोषित किया था।

जंगली जानवरों के लिए अपना घर और जमीन छोड़कर जाने वाले ग्रामीणों को पास के गांव जोगीवाड़ा में शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए एक परिवार को 15 लाख रुपए का मुआवजा और जीवन यापन करने के लिए करीब 5 एकड़ खेती करने के लिए जमीन दी जाएगी, जिससे कि ग्रामीण अपनी आगे की जिंदगी आराम से व्यतीत कर सकें। साल 2022 में करमाझिरी अभ्यारण्य में सिवनी जिले के 1410.420 हेक्टेयर वन क्षेत्र को शामिल किया गया है। इसके गठन से टाइगर रिजर्व के प्रबंधन को मजबूती मिलेगी और शाकाहारी व मांसाहारी वन्य-प्राणियों को अतिरिक्त रहवास स्थल उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही प्रदेश में वन्य प्राणी बहुल क्षेत्र को शामिल करते हुए संरक्षित क्षेत्र के रकबे में बढ़ोत्तरी होगी। अब तक मध्य प्रदेश में 24 अभ्यारण्य हैं।

साढ़े 5 लाख में बन सकते हैं फ्लैट के मालिक, चूके तो पछताएंगे जिंदगी भर

भोपाल (नगर संवाददाता)

शहर में रहने वाले हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका भी अपना एक घर हो लेकिन प्रापर्टी के बढ़ते दाम की वजह से बहुत सारे लोगों का यह सपना पूरा नहीं होता। हालांकि नगर निगम भोपाल बेघर लोगों के इस सपने का पूरा करने के लिए बहुत ही कम कीमत पर मकान उपलब्ध करवा रहा है। मात्र 5.50 लाख रुपये में आप खुद के फ्लैट के मालिक बन सकते हैं। इसके लिए आपको मकान की पूरी राशि देने की जरुरत भी नहीं है।

नगर निगम में हाउसिंग फॉर ऑल के तहत बनाए जा रहे किफायती फ्लैट को बुक करने के लिए आपको उसकी कीमत की मात्र 10 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी। इसके बाद बचा हुआ भुगतान पजेशन लेते समय जमा करना होता है। यह राशि भी यदि मकान खरीदने वाले के पास नहीं है तो निगम के कर्मचारी ही बैंकों से लोन भी उपलब्ध करा देते हैं। इन मकानों की रजिस्ट्री में भी मामूली खर्च करना होता है।

नगर निगम वर्तमान में कलखेड़ा, मालीखेड़ी, भौंरी, भानपुर में करीब 1 हजार से अधिक ईडब्ल्यूएस फ्लैट बना रहा है। ये सभी वन बीएचके फ्लैट होंगे। इनमें एक हाल, एक बैडरुम और किचन के साथ लेट-बाथ होगी। ये सभी 430 वर्गफीट क्षेत्र में निर्मित होंगे। हालांकि लोकेशन के अनुसार इनकी कीमतें अलग-अलग हैं। कलखेड़ा में ईडब्ल्यूएस फ्लैट की कीमत 5.50 लाख, मालीखेड़ी में 5.25 लाख, वहीं भौंरी, कोकता ट्रांसपोर्ट नगर और बागमुगालिया में वन बीएचके फ्लैट की कीमत 6 लाख रुपये निर्धारित है।

ईडब्ल्यूएस आवास के साथ नगर निगम 2 और 3 बीएचके फ्लैट का निर्माण भी करवा रहा है। हालांकि इनकी कीमत ईडब्ल्यूएस आवासों से अधिक है। वहीं विभिन्न परियोजनाओं में फ्लैट का कारपेट एरिया भी अलग-अलग है। कोकता ट्रांसपोर्ट नगर में 704 वर्गफीट में बने 2 बीएचके फ्लैट की कीमत 14.50 लाख रुपये है. वहीं भानपुर में 16 लाख, 12 नंबर स्टाप में 22 लाख, बागमुगालिया में 20 लाख, गंगा नगर में 28 लाख, 12 नंबर स्टाप में 30 लाख और बैरागढ़ में इसकी कीमत 35 लाख रुपये है.

नगर निगम की कलखेड़ा आवासीय परियोजना में 1 हजार वर्गफीट के प्लाट पर बने वन बीएचके स्वंत्र बंगले की कीमत 21 लाख रुपये है. इसी प्रकार भौंरी में 1700 वर्गफीट पर बने 3 बीएचके मकान की कीमत 35 लाख और रासलाखेड़ी में 20 लाख रुपये से 55 लाख रुपये तक है। वहीं कलखेड़ा में स्वतंत्र भूखंड भी उपलब्ध हैं। यहां 1250 वर्गफीट के प्लाट की कीमत 16 लाख रुपये है।

लिफ्ट, सीसीटीवी, पानी, बिजली और गार्ड की भी सुविधा

नगर निगम द्वारा निर्माणाधीन सभी आवासीय परियोजनाओं में लिफ्ट, सीसीटीवी, पानी, बिजली और गार्ड समेत अन्य सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इसके साथ ही बच्चों के खेलने के लिए पार्क और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए कम्युनिटी हाल की सुविधा भी मिलेगी, हालांकि मेंटेनेंस का काम रहवासी समितियों के जिम्मे होगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए 151 पौधे लगाए

भोपाल (नगर संवाददाता)

दिव्यांग कल्याण समिति भोपाल की ओर से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अभिनव मुहिम आरंभ की गई है। इस मुहिम का श्रीगणेश सिहोर जिलें में संस्था के सचिव मानसिंह परमार द्वारा सीहोर जिले के बिलकिसगंज में नीम, आम एवं विभिन्न प्रकार के 151 पौधे लगाकर किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था से तरुण सिंह कुशवाह, धर्मेन्द्र सिंह यादव, अरविन्द चौहान एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। संस्था आगामी समय में प्रदेश के अन्य जिलों में भी इस तरह के वृक्षारोपण करने के लिए प्रयास कर रही है। संस्था का उद्देश्य है कि इस मानसून के समाप्त होने तक 10000 से ज्यादा पौधे लगाकर हमारी प्रकृति को फिर से हरा भरा बनाया जा सके। संस्था सभी नागरिकों से यह आवाहन करती है कि सभी लोग आगे आए एवं धरती माता को बचाने के लिए अपना योगदान अवश्य दें।

प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्र के समान मकान भाड़ा भत्ता एवं मंहगाई भत्ता का भुगतान किया जाए

भोपाल (नगर संवाददाता)

सेमी गवरमेंट एम्प्लाइज फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष अनिल बाजपेई एवं अर्द्ध शासकीय अधिकारी कर्मचारी सार्वजानिक उपक्रम संघ के प्रांताध्यक्ष अरुण वर्मा ने केंद्र सरकार द्वारा मकान भाड़ा भत्ता वृद्धि का स्वागत किया है। साथ ही प्रदेश सरकार से मांग की है कि प्रदेश के कर्मचारियों के लिए केंद्र के समान मकान भाड़ा भत्ता का भुगतान किया जाये। लोक सभा चुनाव मे प्रदेश के कर्मचारी एवं जनता ने भारतीय जनता पार्टी की झोली मे पुरी की पूरी 29 लोकसभा की सीटें डाल दी। ऐसे में मोहन सरकार का फर्ज बनता हैं कि प्रदेश के कर्मचारियों के लिए समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा घोषित मंहगाई भत्ता एवं मकान भाड़ा भत्ता की घोषणा कर भुगतान करना चाहिए । मुख्य मंत्री से अनुरोध किया है कि केंद्र के समान मकान भाड़ा भत्ता एवं मंहगाई भत्ता की तत्काल घोषणा की जाये।

5 लाख से अधिक हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक से राशि की गई आंतरित

लाड़ली बहनों के खाता में पहुंची 14वीं किस्त

कटनी/ब्यूरो

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार को कटनी जिले के 5 लाख 47 हजार 810 हितग्राहियों को 65 करोड 69 लाख 10 हजार 585 रूपये की सौगात दी। मुख्यमंत्री नें जिला टीकमगढ़ के ग्राम छिपरी म आयोजित च्चलाड़ली बहना योजना के 14 वी किस्त अंतरण के राज्य स्तरीय समारोह किश्त के अंतरण के लिए आयोजित राज्य स्तरीय समारोह से कटनी जिले के माह जुलाई, 2024 की राशि मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत 2024-25 की प्रथम किश्त, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के एलपीजी गैस कनेक्शन धारी उपभोक्ताओं तथा गैर पीएम उज्जवला योजना श्रेणी में लाड़ली बहना के हितग्राहियों को माह मार्च 2024 के लिए देय गैस रिफ्लि अनुदान राशि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को माह जून, 2024 की किश्त का सिंगल क्लिक से अंतरणज्ज किया गया। जिलेभर मे कार्यक्रम का प्रसारण वेबकास्ट के माध्यम से किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर के वीडियो कान्फ्रेंसिग कक्ष में कलेक्टर श्री अवि प्रसाद की उपस्थिति में योजनाओं से संबंधित 50 हितग्राही व संबंधित विभाग प्रमुख और जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नयन सिंह उपस्थिती में किया गया। हितग्राहयों ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री के संबोधन के सीधे प्रसारण को देखा और सुना। इस मौके पर सहायक संचालक महिला सशक्तिकरण वनश्री कुर्वेती और परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक और हितग्राहीगण मौजूद रहे। उक्त कार्यक्रम अंतर्गत च्चलाड़ली बहना योजना की माह जुलाई, 2024 का कुल 2 लाख 46 हजार 463 हितग्राहियों को कुल 30 करोड रूपये की राशि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत कुल 1 लाख 46 हजार 182 हितग्राहियों को 29 करोड 23 लाख 64 हजार रूपये की राशि, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के एलपीजी गैस कनेक्शन धारी उपभोक्ताओं तथा गैर पीएम उज्जवला योजना श्रेणी में लाड़ली बहना के हितग्राहियों को माह मार्च 2024 के लिए देय गैस रिफ्लि अन्तर्गत 53 हजार 703 हितग्राहियों को 36 लाख 66 हजार 35 रूपये की अनुदान राशि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को माह जून, 2024 1 लाख 1हजार 462 हितग्राहियों को 6 करोड़ 8 लाख 77 हजार 200 रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित किया गया।

शहर की विद्युत व्यवस्था में सुधार हेतु महापौर प्रीति संजीव सूरी ने ली बैठक

नगर निगम एवं एमपीईबी के अधिकारी रहे उपस्थित

कटनी/ब्यूरो

शहर की अव्यवस्थित विद्युत व्यवस्थाओं एवं रुके हुए कार्यों को लेकर महापौर प्रीति संजीव सूरी द्वारा दिनांक 5 जुलाई 2024 को एमपीईबी एवं निगम के अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक ली।बैठक में एमपीईबी से रुके हुए कार्यों पर महापौर द्वारा सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जनहित कार्यों को अविलंब करते हुए सभी विद्युत समस्याओं के निराकरण हेतु एमपीईबी नगर निगम के साथ सहयोग करे जिससे हम सभी कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कर सके ।साथ ही जो भी कार्य एमपीईबी के स्तर पर रुके है एवं जो प्रस्तावित कार्य है उन पर भी शीघ्र कार्यवाही की जावे ।महापौर सूरी द्वारा स्ट्रीट लाइट समय पर चालू एवं बंद करने के निर्देश निगम के अधिकारियों को दिये एवं शहर के कई वार्डों में अव्यवस्थित बिजली की तारों को व्यवस्थित करने एवं कई जगह करंट आने की शिकायत पर निराकरण करने हेतु भी एमपीईबी के अधिकारियों को निर्देश दिये गए।इस दौरान प्र कार्यपालन यंत्री केपी शर्माएप्र सहा यंत्री आदेश जैनएएमपीईबी सहा अभियंताएउपयंत्री मोना करेरा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

चार साल के बच्चे को पुलिस ने मिलाया परिजन से खुशी से झूम उठे परिजन

कटनी/ब्यूरो

अभिजीत कुमार रंजन पुलिस अधीक्षक कटनी के निर्देशन एवं डॉ0 संतोष डेहरिया अतिण् पुलिस अधीक्षकए श्रीमति ख्याति मिश्रा नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप सिंह ठाकुर के नेतृत्व में थाना माधवनगर की टीम द्वारा बच्चे के परिजनों से चंद घंटों में मिलाया। आज दिनांक 05.07.2024 को सारंस विश्वकर्माए उम्र 04 वर्षए अपने दादी के पीछे.पीछे बड़े पिता के घर जाने के लिए निकलाए लेकिन राधाकृष्णन मार्ट के पास भीड़ वाले स्थान पर चला गया। स्थानीय लोगों ने बच्चे को अकेले घुमते देखा और जानकारी न मिल पाने पर बच्चे को थाना लेकर आए। थाना माधवनगर के स्टाफने बच्चे को प्यार से पूछताछ की और आसपास के इलाकों इन्द्राज्योति कॉलोनीए हाउसिंग बोर्डए नेपाली मोहल्ला और मेन मार्केट में परिजनों की तलाश शुरू की। सघन जांच के बाद बच्चे के परिजन का पता इन्द्राज्योति कॉलोनी में चला। परिजनों को सूचना देने पर मुरतलाल विश्वकर्मा अपने दूसरे नाति अंकुश विश्वकर्मा के साथ थाना पहुंचे और सारंस को पहचान लिया। बच्चे ने भी अपने दादा को पहचान लियाए जिससे उनके चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। सराहनीय प्रयास ऋ अनूप सिंह निरीक्षक थाना प्रभारी माधवनगर सउनि शशिभूषणए प्रआर0 शोभनाथए आर0 लोकेन्द्रए गौरवए और भानु की भूमिका रही।

श्री गणेश सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ आगाज

कटनी/ब्यूरो

डन कॉलोनी कटनी में नवनिर्मित श्री गणेश सिद्धेश्वर महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के चार दिवसीय कार्यक्रमों की शुरुआत विशाल कलश यात्रा के साथ की गई। गत 4 जुलाई से प्रारंभ हुई प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन 7 जुलाई को विशाल भंडारे के साथ किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के पहले दिन बरगवां स्थित भूमि प्रकट मां शारदा माता के मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई। माता शारदा के दरबार से निकली कलश यात्रा भ्रमण करते हुए नवनिर्मित श्री गणेश सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां पर कलश यात्रा का समापन किया गया। कलश यात्रा में नगर की प्रथम नागरिक महापौर प्रीति संजीव सूरी ने भी हिस्सा लिया। आस्थावान महापौर श्रीमती सूरी अन्य महिलाओं के साथ कलश यात्रा में कलश लेकर चलती हुई दिखाई दी। माता शारदा के दरबार से निकाली गई विशाल कलश यात्रा में बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी लोग शामिल रहे। महापौर श्रीमती

भव्य कलश यात्रा में महापौर प्रीती संजीव सूरी ने लिया हिस्सा, 7 जुलाई को होगा विशाल भंडारा

सूरी के साथ पीले वस्त्र धारी महिलाएं कलश लिए झूमते हुए चल रही थी। ढोल नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच रिमझिम फुहार के साथ कलश यात्रा नवनिर्मित श्री गणेश सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए श्री गणेश सिद्धेश्वर महादेव मंदिर उत्सव एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि श्री गणेश सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में होने वाले चार दिवसीय कार्यक्रमों के क्रम में प्रथम दिन 4 जुलाई को कलश यात्रा निकाली गई। 5 जुलाई को मंदिर प्रांगण में देव पीठ स्थापना एवं पूजन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसी क्रम में 6 जुलाई को देवाधिवास जलाधिवास सहित अन्य पूजन के कार्यक्रम होंगे। 7 जुलाई को महोत्सव का समापन मंदिर प्रांगण में प्रसाद वितरण एवं विशाल भंडारे के साथ किया जाएगा। श्री गणेश सिद्धेश्वर महादेव मंदिर उत्सव एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियो ने नगर की धर्म प्रेमी जनता से सभी कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की है।

350 से अधिक शिष्यों को जैनेश्वरी ने दीक्षा दी

कटनी/ब्यूरो

बाकल बुंदेलखंड के प्रथम गणाचार्य आचार्य विराग सागर जी महाराज का गुरुवार प्रात 2रू30 बजे जालना महाराष्ट्र मे संलेखना पूर्वक समाधि मरण होने से जैन समाज में शोक की लहर दौड़ गई पूज्य गुणाचार्य विराग सागर जी महाराज के समाधि मरण पर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर की प्रांगण बाकल में सकल जैन समाज के तत्वाधान में विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया इस अवसर पर जैन समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में गुरुदेव के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन विनयांजलि एवं णमोकार मंत्र का पाठ किया गया भक्तों नेआचार ग्राहक सागर जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरुदेव का शिक्षापथरिया और कटनी मे की उन्होंने जैन धर्म की प्रभावना पूरे देश में करते हुए 350 से अधिक शिष्यों को जैनेश्वरी दीक्षा दी कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जीवनधर मोदी नरेंद्र सिघई डॉक्टर सुबोध मोदी मनोज मोदी अशोक सिंघई अरविंद सिंघई अजय अहिंसा रमेश चन्द्र जैन आनंद जैन संतोश जैन सौरभ जैन शिक्षक दिनेश जैन प्रखर मोदी प्रदीप मोदी संजय मोदी पुष्पेंद्र मोदी बड़ी संख्या में जैन धर्मबलंबी महिला मंडल युबा मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

महापौर प्रीति संजीव सूरी द्वारा शनि मंदिर तालाब एवं रोशन नगर क्षेत्र का किया निरीक्षण

कटनी/ब्यूरो

महापौर प्रीति संजीव सूरी द्वारा दिनांक 5 जुलाई को पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के रोशन नगर एवं शनि मंदिर तालाब के क्षेत्र का निरीक्षण किया गया ।तालाब में जलस्रोत के बारे में चर्चा की गई जिसमें जलप्रदाय के उपयंत्री द्वारा बताया गया कि तालाब के जलस्रोतों का पता लगाने हेतु सर्वे किया जाना आवश्यक है जिस पर महापौर द्वारा उक्त सर्वे कराये जाने के निर्देश दिये एवं आस पास क्षेत्र की बंद स्ट्रीट लाइट में सुधार किए जाने के निर्देश दिये। इसके उपरांत महापौर सूरी द्वारा हाल ही में वैध हुए रोशन नगर क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों की रोड नाली जैसी समस्याओं को समझते हुए कहा कि विकास कार्य शहर के प्रत्येक वार्ड में कराये जा रहे हैं किंतु हर गली में एक साथ एक समय में संभव नहीं है विकास कार्य प्रक्रियाओं के तहत कराये जाते हैएमेरे द्वारा शहर के सभी क्षेत्र का हर दिन भौतिक निरीक्षण भी किया जाता है और प्राथमिकता के साथ अवश्य विकास कार्य आगे भी कराए जाएँगे। इस दौरान स्थानीय पार्षद सीमा श्रीवास्तवएउपयंत्री जेपी बघेलएमृदुल श्रीवास्तव एवं अन्य स्थानीय जनों की उपस्थिति रही। रामजानकी हनुमान वार्ड आइटीआई क्षेत्र का लिया जायजा महापौर सूरी एवं स्थानीय पार्षद रागिनी मनोज गुप्ता द्वारा आईटीआई के पास के क्षेत्र का निरीक्षण किया गया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत रोपा पौधा

कटनी/ब्यूरो। सर्वश्री अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज कटनी द्वारा समाज के प्रतिष्ठित नागरिक स्वर्गीय श्री यादवेंद्र सोनी जी की श्रद्धांजलि एवं देवदर्शन कार्यक्रम में एक पेड़ परिवार को देखकर समाज द्वारा नई परंपरा प्रारंभ की गई सरकार द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष श्री विष्णु प्रसाद जी सोनी एवं सर्राफ एसोसिएशन के अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी पल्लू भैया के द्वारा बेलएगुलमोहर जसोंन वृक्ष लगाकर पूरे वर्षा काल में वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया गया श्रद्धांजलि कार्यक्रम में संजय सोनीएप्रदीप सोनी, अज्जू सोनी, नरेश गुप्ता, सर्वेश सोनी, सुभाष सोनी, सुरेंद्र सोनी, राजकुमार कचेर, धर्मेंद्र सोनी, राजेश सोनी, अजय सोनी, वीरू सोनी आदि लोगों की उपस्थिति रही।

मेष

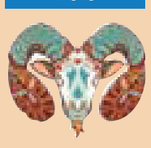

दिन शुभ। परिवार में उत्तम वातावरण। आपसी गलतफहमी दूर होने का दिन। रूके कार्य आज सम्भव। शिवजी को लाल गुड़हल अर्पित करें। शुभ अंक- 1, शुभ रंग - लाल।

वृष

अनावश्यक बहसबाजी आज किसी से न करें। अर्थात् वाणी पर नियंत्रण आवश्यक। धन खर्च होने की सम्भावना। शिवजी को सफेद फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 4, शुभ रंग - गुलाबी।

मिथुन

भाई बहनों से सहयोग प्राप्त होने की सम्भावना। कार्य क्षेत्र में लाभकारी अवसर प्राप्त हो सकते हैं। शिवजी को बेलफल अर्पित करें। शुभ अंक - 3, शुभ रंग- नीला।

कर्क

पिता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। कार्य क्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग सम्भव। शिवजी को सफेद सुगंधित फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 1, शुभ रंग- सफेद।

सिंह

भाग्य आज विशेष मजबूत, इस अवसर का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। रूके हुए कार्य आज बनेंगे। शिवजी को लाल गुलाब अर्पित करें। शुभ अंक- 1, शुभ रंग- हल्का लाल।

कन्या

दिन थोड़ा कमजोर। गुप्त विरोधी कार्य क्षेत्र में सक्रिय हो सकते हैं, थोड़ा सजग रहें, अन्यथा भविष्य में हानि हो सकती है। शिवजी को बिल्वपत्र अर्पित करें। शुभ अंक- 4, शुभ रंग- हरा।

तुला

वैवाहिक जीवन में मधुरता। विवाह योग्य जातकों को आज अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं, घर के बड़े-बुजुर्गों से सलाह अवश्य लेवें। शिवजी को सफेद गुड़हल का फूल अर्पित करें। शुभ अंक - 7, शुभ रंग- सफेद।

वृश्चिक

दिन सामान्य तथा कार्य की अधिकता से भरपूर। धैर्य से काम लेवे, अन्यथा समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। शिवजी को लाल गुलाब अर्पित करें। शुभ अंक- 3, शुभ रंग- लाल।

धनु

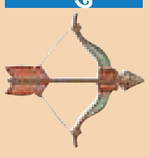

नये मित्र बन सकतें हैं, पर आंख मूंद कर भरोसा न करें। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा। परिवार में कोई अच्छा समाचार प्राप्त हो सकता है। शिव जी को पीले फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 4, शुभ रंग- पीला।

मकर

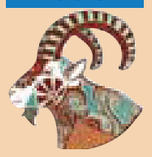

दिन शुभ। भूमि भवन से संबंधित कार्य आज आरंभ कर सकते हैं। कंस्ट्रक्शन से जुड़े जातकों के लिए बहुत ही अच्छा समय। शिवजी को नीले फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 7, शुभ रंग- नीला।

कुंभ

भाई बहनों से विशेष लाभ प्राप्त होगा। कार्य क्षेत्र में उन्नति कारक योग। परिवार में आगामी धार्मिक कार्यों की योजना बन सकती है। शिवजी को बैंगनी फूल अर्पित करें। शुभ रंग- 6, शुभ रंग- नीला।

मीन

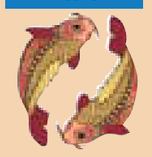

दिन शुभ। रुका धन प्रयास करने पर प्राप्त होने के योग। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा। लम्बी यात्रा हो सकती है। शिवजी को पीले फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 6, शुभ रंग- पीला।

ग्रह स्थिति

सूर्य- मिथुन राशि में, ता. 16 की रात्रि 10:39 कर्क राशि में। मंगल- मेष राशि में, ता. 12 की शाम 5:49 से वृष राशि में। बुध- कर्क राशि में, ता. 19 की रात्रि 8:25 से सिंह राशि में। गुरू- वृष राशि में। शुक्र- मिथुन राशि में, ता. 6 की रात्रि 3:40 से कर्क राशि में, ता. 31 के दिन 1:12 से सिंह राशि में। शनि- कुंभ राशि में। राहु-मीन राशि में। केतु-कन्या राशि में।

दिशा शूल

पूर्व दिशा में यात्रा वर्जित है। अति आवश्यक होने पर दूध का सेवन कर घर से निकलें।

चौघड़िया

अमृत सुबह 6:00-7:30 तक
शुभ सुबह 9:00-10:30 तक
चर दिन 1:30-3:00 तक
लाभ दोपहर 3:00-4:30 तक
अमृत अपराह्न 4:30-6:00 तक

अभिजीत मुहूर्त

सुबह 11.45 से दिन 12:10 तक !

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता. 2 को प्रातः 6:11 से रात्रि अंत तक। ता. 3 को सूर्योदय से रात्रि अंत तक। ता. 7 को सूर्योदय से ता.8 की प्रातः 6:18 तक। ता. 9 को सूर्योदय प्रातः 7:58 तक। ता. 17 को सूर्योदय से रात्रि 1:21 तक। ता. 21 को सूर्योदय से रात्रि 1:45 तक। ता. 22 को सूर्योदय से रात्रि 12:48 तक। ता. 26 को शाम 6:49 से रात्रि अंत तक। ता.28 को सूर्योदय से दिन 3:48 तक। ता. 30 को सूर्योदय से दिन 1:11 तक। ता. 31 को सूर्योदय से रात्रि अंत तक।

द्विपुष्कर योग: ता.23 को सूर्योदय से दिन 12:36 तक
त्रिपुष्कर योग: ता. 2 को सुबह 8:43 से रात्रि अंत तक।
अमृत सिद्धि योग: ता. 17 को सूर्योदय से रात्रि 1:21 तक। ता. 26 को शाम 6:49 से रात्रि अंत तक।

रवि योग

ता.9 की सुबह 7: 57 से ता.10 की प्रातः 5:34 तक। ता. 11 की दोपहर 1:9 से ता. 12 की प्रातः 5:40 तक। ता. 14 की रात्रि 10:11 से ता. 15 की प्रातः 5:42 तक। ता. 19 की प्रातः 5:32 से ता. 20 की रात्रि 3:30 तक। ता. 26 की रात्रि 2:38 से ता.27 की प्रातः 5:47।

पुष्य नक्षत्र : ता. 6 को रात्रि अंत से ता. 8 की प्रातः 6:18 तक।

ब्रीफ न्यूज़

जय हो समिति के नर्मदा घाट स्वच्छता अभियान का 231 वा सप्ताह

नर्मदापुरम। जय हो समिति ने अपने स्वच्छ नर्मदा मिशन के तहत 231वें स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान का आयोजन परमहंस घाट पर किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को नर्मदा नदी की स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक करना था। समिति के अध्यक्ष अर्पित मालवीय ने कहा हमारे स्वयंसेवक हर रविवार को मिलकर घाट की सफाई करते हैं। हम कूड़ा-करकट हटाकर नदी के किनारे को स्वच्छ बनाने का प्रयास करते हैं। साथ ही, हम लोगों को नर्मदा को प्रदूषित न करने के महत्व के बारे में जागरूक करते हैं। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष अर्पित मालवीय सहित समिति सदस्य जतिन यादव, विकास गुप्ता, संजु प्रजापति, सागर पटैल, कौशिक बावरिया, अनुराग वर्मा, राजेंद्र यादव, राजेश प्रजापति, दीपक वर्मा उपस्थित रहे।

डोंगरवाड़ा में जगन्नाथ रथ यात्रा निकली, बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

नर्मदापुरम। जगत के स्वामी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया रविवार को ग्राम डोंगरवाडा में धूमधाम से निकली। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

यात्रा से पहले ठाकुर राजा डा आशुतोष शर्मा और मुख्य अर्चक बाबा प्रसाद दास ने भगवान का विधिवत पूजन किया। उसके बाद ठाकुर राजा ने रथ में झाड़ू लगाकर भगवान का आवाहन किया। फिर भक्तों ने पूरी श्रद्धा से भगवान को भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ में विराजमान कराया। उसके बाद भगवान गांव भ्रमण पर निकले ग्रामवासियों ने घर के सामने भगवान का पूजन अर्चन किया और प्रसाद ग्रहण किया ग्रामवासियों की कुशलक्षेम जानने के बाद भगवान फिर मंदिर में विराजमान हो गए। रथ यात्रा के बाद मंदिर में विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। ज्ञात रहे कि डोंगरवाड़ा में डा. शर्मा द्वारा भगवान जगदीश मंदिर का निर्माण ओडिशा के प्रसिद्ध संत बलिआ बाबा के मार्गदर्शन में कराया जा रहा है। मंदिर का निर्माण पूर्णता की ओर है। रथ यात्रा में मुख्य रूप से जगन्नाथ जन कल्याण समिति के जितेंद्र जामलिया, प्रमोद शर्मा, अमित माहेश्वरी, ग्वालियर के योग गुरु अनिल सुराडे, सरपंच माखन कीर, रमेश उइके, अधिवक्ता शिव मंगल चौहान, राजाराम मीना, राजेश मेहरा, कैलाश साहू, अशोक कीर, तानसेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामवासी शामिल हुए।

रथ पर निकले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा, भक्तों ने खींचा रथ

सागर, उज्जैन, इंदौर, भोपाल समेत प्रदेशभर में उत्सव

दीनबन्धु, सागर/विदिशा
dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश में भी आज आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को कई जगहों पर जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा में कुल तीन रथ शामिल हैं, जिनमें से एक में प्रभु जगन्नाथ, दूसरे में उनके भाई बलभद्र और तीसरे में उनकी बहन सुभद्रा विराजमान हैं। मिनी जगन्नाथपुरी के नाम से प्रसिद्ध विदिशा के मानोरा गांव में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा तड़के से शुरू हो गई थी। मानोरा में इस धार्मिक यात्रा का आयोजन तीन दिन तक किया जाता है। इस वर्ष यह शनिवार से शुरू हो गया है। सोमवार तक चलेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पत्नी साधना सिंह ने दोपहर करीब साढ़े 12 बजे भगवान जगदीश स्वामी के मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उज्जैन, भोपाल, हरदा और देवास समेत प्रदेश के कई शहरों में रथ यात्रा उत्सव मनाया

उज्जैन में इस्कॉन मंदिर से निकली रथयात्रा का ड्रोन व्यूः उज्जैन में इस्कॉन मंदिर से रथयात्रा निकाली गई। रथों के खींचते हुए भक्त आगे बढ़ रहे हैं। रथयात्रा में शामिल होने लोग दूर-दूर से आए हैं। वे नाचते-गाते रथ को आगे बढ़ा रहे हैं।

नर्मदापुरम में जगदीश मंदिर से निकल रही रथयात्राः नर्मदापुरम में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा कुछ ही देर में शुरू होने जा रही है। जगदीश मंदिर के बाहर रथ तैयार है। बड़ी संख्या में भक्त दर्शन और रथ को खींचने के लिए पहुंचे हैं। भगवान कृष्ण की सखियां नृत्य करती हुईं। इंदौर के छत्रीबाग के देवस्थान से रथ यात्रा निकली इंदौर के छत्रीबाग के देवस्थान से रथ यात्रा निकाली गई। सागर में फूलों से सजाया रथ, ठाकुरजी भ्रमण पर निकले सागर के गोपालगंज स्थित वृंदावन बाग मठ से प्राचीन परंपरागत तरीके से भगवान की रथयात्रा निकाली गई। ठाकुरजी की रथयात्रा में एक हाथी, दो घोड़े, डमरू दल, बैंड पार्टी के साथ ध्वज पताकाएं आगे चलीं। गुलाब और मोगरा के फूलों से ठाकुरजी का श्रृंगार किया गया। गेंदे के फूलों से रथ सजाया गया। इसमें बड़ी संख्या में साधु-संत शामिल हुए।

हमारा गाँव संगठन की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम। हमारा गांव संगठन मध्यप्रदेश की प्रदेशकार्य समिति की बैठक घोड़ाडोंगरी जिला बैतूल में सम्पन्न हुई । जिसमें प्रदेश संयोजक श दुर्गेश धुर्वे संगठन का विस्तार करते हुए जितेंद्र सिंह मरकाम को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनाया, साथ ही शिवकुमार कुंजाम डिंडोरी को प्रदेश संस्कृति एवं रीति रिवाज प्रमुख, प्रदेश योजना प्रमुख मूलेजी नर्रे बैतूल, सुभाष बारस्कर ज़िला अध्यक्ष बैतूल, राघवेंद्र भलावी जिला प्रभारी छिन्दवाडा, हरि सिंह श्याम ज़िला उमरिया संस्कृति एवं रीति रिवाज प्रमुख, महादेव धुर्वे ब्लॉक संयोजक घोड़ाडोंगरी, रतिराम उईके ब्लॉक प्रभारी तामिया, मोहन सिंह भुसारे केसला ब्लॉक संयोजक को नियुक्त किया गया। बैठक में हमारा गांव संगठन के संस्थापक सदस्य रवि , संगठन के प्रदेश संयोजक दुर्गेश धुर्वे, प्रदेश सचिव रंजित सरार्टी सहित हमारा गांव संगठन के प्रदेश के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

टूरिज्म बोर्ड को मिला 'बेस्ट स्टेट प्रमोटिंग डोमेस्टिक टूरिज्म' और 'बेस्ट स्टेट प्रमोटिंग फेयर्स एंड फेस्टिवल्स' अवॉर्ड

9 वें आईटीसीटीए बी2बी अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो, कॉन्क्लेव के दौरान सम्मानित किया

दीनबन्धु, नर्मदापुरम
dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के पर्यटन स्थलों, सांस्कृतिक आयोजनों एवं गतिविधियों को प्रचारित करने हेतु किये जा रहे नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। नई दिल्ली में आयोजित हुए इंटरनेशनल टूरिज्म कॉन्क्लेव एंड ट्रेवल अवॉर्ड में टूरिज्म बोर्ड को ह्यबेस्ट स्टेट प्रमोटिंग डोमेस्टिक टूरिज्मह्ल और ह्यबेस्ट स्टेट प्रमोटिंग फेयर्स एंड फेस्टिवल्सह्ल अवॉर्ड से सम्मानित किया

गया है। टूरिज्म बोर्ड को यह सम्मान राज्य के पर्यटन स्थलों को प्रचारित करने, वार्षिक उत्सवों, मेलों एवं त्योहारों के दौरान पर्यटकों को अनुभवात्मक पर्यटन प्रदान करने और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव एवं टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि हमारे नवाचारों का उद्देश्य केवल पर्यटकों को आकर्षित करना ही नहीं बल्कि उन्हें भ्रमण के दौरान एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करना है। यह सम्मान यह सम्मान हमें अपना सर्वश्रेष्ठ करने के लिये प्रेरित करते हैं। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक, सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने दोनों पुरस्कार प्राप्त किये।

लगातार तीसरे सप्ताह पौधरोपण किया विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने

नर्मदापुरम। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल एवं समीक्षा सोशल वेलफेयर सोसाइटी नर्मदापुरम द्वारा शिवम सोनी के जन्म दिवस एवं विनीत सक्सेना की वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष में चाय चौपाल बड़ी पहाड़ियां पर पौधरोपण किया गया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा हर सप्ताह पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सभी लोगों से आग्रह है अपने आसपास अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाए। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सुभाष दुबे, जिला संयोजक नितिन मेषकर, जिला धर्म प्रसार प्रखर राज शर्मा, जिला कार्यकारी सदस्य विनीत सक्सेना, नगर मंत्री चेतन राजपूत, नगर सुरक्षा प्रमुख नीरज अग्रवाल, एडवोकेट मनीष शर्मा, एडवोकेट गोपाल राजपूत, ईशान पटेल, पृथ्वी पाल सिंह, राकेश सोनी, मनोज वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सभी लोगों से आग्रह करता है जितने अधिक से अधिक हो पेड़ लगाए तथा पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं ।

एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाए पृथ्वी को हरा-भरा बनाएं ,अमर सिंह यादव

दीनबन्धु, राजगढ़/खुजनेर
dinbandhunews.com

नगर मे परिषद् एवं तहसील कार्यालय के संयुक्त आयोजन में राजगढ़ विधायक अमर सिंह यादव द्वारा अपनी माँ के साथ नीम का पोधारोपण किया नगर की तहसील प्रांगण तथा मुक्तिधाम में वृहद पोधारोपण किया गया इस अवसर पर विधायक यादव ने सभी से पर्यावरण के संरक्षण हेतु पोधा लगाने तथा उसे पेड़ बनने तक उसकी सुरक्षा करने की बात कही, साथ ही कहा एक पेड़ माँ के नाम अभियान में अधिक से अधिक पोधारोपण करे, शासन द्वारा चलाए जा रहे इस कार्यक्रम के सहभागी बने शासन के निदेर्शानुसार एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत नगरीय क्षेत्र में मांगलिक भवन, मुक्तिधाम, वाटर बॉक्स, ट्रेन्चिंग ग्राउंड, फिल्टर प्लांट, गणेश मंदिर पार्क तथा समस्त शासकीय एवं अशासकीय स्कुलो में पोधारोपण किया जावेगा यह यह आयोजन लगातार दो दिन तक 07 एवं 08 जुलाई को भी वृहद पोधा रोपण किया जावेगा मुख्य नगर पलिका अधिकारी उमेश शर्मा द्वारा नगर के समस्त नागरिको से अपील की अपनी माँ की याद में तथा माँ की उपस्थिति में माँ के साथ पोधा रोपण करे तथा फोटो मेरी लाइफ पोर्टल पर अपलोड करे तथा उस पोधे की तीन वर्ष तक देख रेख करे जिससे वह सुरक्षित रहे , इस अवसर पर तहसीलदार नित्यानंद पाण्डेय, रणधीर सिंह मीना, केदार काका, नपा अध्यक्ष कैलाशी बाई यादव, पूर्व नपा अध्यक्ष पंकज शर्मा, पार्षद कमल यादव, बीरम वर्मा, मुकेश यादव, रामचरण यादव, इलियास मेवाती,निर्मल जाटव, कैलाशनारायण यादव, दिनेश यादव, सचिन यादव , सुरेश यादव, सहित गणमान्य नागरिक समस्त तहसील एवं नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM (MP)
cmohoshangabad@mpurban.gov.in
NIT No/ 1789 /E-Tendering/NPN/2024 Narmadapuram Date

// Notice Inviting Tenders //
(First Call)

Online percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria –

SL No.	Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract	Earnest Money Deposit	Cost of Bid Document	Period of Completion
1	2024_UAD_354875_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AT WARD NO 13 SANTOSH TOMAR DAAU TO SURENDRA TOMAR TO ANIL ARYA AND ZHEER KHAN OBHARAY CHANDELE HOUSE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	2527855/-	19000/-	5000/-	01 Months (with rainy season)
2	2024_UAD_354889_1	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN AT WARD NO 13 SANTOSH TOMAR DAAU TO SURENDRA TOMAR TO ANIL ARYA AND ZHEER KHAN OBHARAY CHANDELE HOUSE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	1584485/-	11900/-	2000/-	01 Months (with rainy season)
3	2024_UAD_354899_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AT WARD NO 13 NAGENDRA TIWARI TO RATAN BHAIYA HOUSE TO NEAR NALA MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	1276148/-	10000/-	2000/-	01 Months (with rainy season)
4	2024_UAD_354914_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AT WARD NO 13 SONI JI TO GOSWAMI JI HOUSE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	1092468/-	8500/-	2000/-	01 Months (with rainy season)
5	2024_UAD_354922_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AT WARD NO 13 CARRIER SCHOOL TO AYURVADIK FACTORY MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	660898/-	6610/-	2000/-	01 Months (with rainy season)
6	2024_UAD_354926_1	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN AT WARD NO 13 KAILASH TO VINOD KANOJIYA TO RAMESH UPARIYA HOUSE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	372748/-	3800/-	2000/-	01 Months (with rainy season)
7	2024_UAD_354938_1	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN AT WARD NO 17 PEELI KHANTI TO BYPASS ROAD MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM MP.	710341/-	7105/-	2000/-	01 Months (with rainy season)

The Bid Document can be Download only online from 03/07/2024 (10.00) to 18/07/2024 (17.30) & 01/08/2024 (17.30) for more Information: - https://mptenders.gov.in

Chief Mubicipal Officer
Municipal Council Narmadapuram MP

कार्यालय नगर पालिक निगम सागर

क्र./नामा.शा./न.नि./2024-25/23 **सागर, दिनांक 05/07/2024**

-::सूचना::-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सागर सीमान्तर्गत नीचे दिए गए भवन/भूखण्ड पर नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्राप्त हुए हैं। अतः इस संबंध में जिन व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के अन्दर आयुक्त नगर पालिक निगम सागर के नाम से प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्र.	प्र.क्र.	वार्ड का नाम भवन/ प्लाट	किस आधार पर	नाम बेचवार/वसीयतनामा दानदाता/वंशामुक्रम	जिस व्यक्ति का नाम दर्ज होना है
1	401/24-25	राजीवनगर	रजि. बैनामा शपथपत्र	सीताराम पिता नारायण प्रसाद अग्रवाल	हीराबाई पति नारायण प्रसाद
2	402/24-25	विठ्ठलनगर	रजि. बैनामा शपथपत्र	शकील पिता वाशीन खान	सफीना बेगम पति को सलीम खान
3	403/24-25	पन्तनगर	रजि. बैनामा शपथपत्र, खसरा	सुरेश कुमार पिता गनेश प्रसाद सोनी	अमन पिता दिलीप सिंह ठाकुर
4	404/24-25	पन्तनगर	रजि. बैनामा शपथपत्र	भागचंद, रमेश कुमार एवं मुकेश कुमार पिता मंगल प्रसाद कोरी	कांतीबाई पति हेमराज कोरी
5	405/24-25	रविदास	रजि. बैनामा शपथपत्र	गुरूनानक एसो द्वारा किशोर, आनंद, फिलन, पिता अनिल कुमार भागवानी	लक्ष्मी पिता तरूण कुमार जैन
6	406/24-25	शुक्रवारी	रजि. बैनामा शपथपत्र	राजरानी, अशोक, विजय, भारत/स्व. बाबूलाल एवं मीरा, नीलेश, अमित, लक्ष्मी एवं रमादेवी/स्व. कैलाशचंद चढ़ार	बादशाह पिता सफी अली
7	407/24-25	सुभाषनगर	रजि. बैनामा शपथपत्र	विनय कुमार पिता पुरूषोत्तम लाल विश्वकर्मा	अलका पति गोविन्द्र प्रसाद सोनी
8	408/24-25	जवाहरगंज	रजि. बैनामा शपथपत्र	प्रभा पिता रामस्वरूप गुप्ता पत्नि श्रीधर चुडीवाले भारती चुड़ीवाले पिता भालचंद चुड़ीवाले	रघुनंदन पिता रामस्वरूप गुप्ता
9	409/24-25	जवाहरगंज	रजि. बैनामा शपथपत्र	आभा पिता रामस्वरूप पिता अनिल एवं लक्ष्मी पिता रामस्वरूप पति राधेश्याम गुप्ता	केदारनाथ पिता रामस्वरूप गुप्ता
10	410/24-25	दयानन्द	रजि. बैनामा शपथपत्र	आभा पिता रामस्वरूप पिता अनिल गुप्ता एवं भारती पिता रामस्वरूप पत्नि भालचंद चुड़ीवाले	रघुनंदन पिता रामस्वरूप गुप्ता

कृते-आयुक्त
नगर पालिक निगम, सागर

मध्य भारत का पहला राष्ट्रीय हस्त सर्जरी कोर्स एम्स भोपाल में आयोजित

भोपाल। मध्य भारत में पहला राष्ट्रीय स्तर का आयोजन, 76वां ISSH बेसिक हैंड कोर्स, लगभग 100 उत्साही प्रतिभागियों के साथ हुआ। प्रो. डॉ. भास्करानंद कुमार, प्रो. डॉ. अनिल के. भट (दोनों मणिपाल से) और डॉ. शैलेश गुप्ता (इंदौर) द्वारा निर्देशित, इस कोर्स में पोस्ट-ग्रेजुएट, सीनियर रेजीडेंट, मेडिकल कॉलेज के संकाय और निजी चिकित्सकों सहित विविध उपस्थित लोग शामिल थे। 6 जुलाई, 2024 को एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रो. डॉ. अजय सिंह द्वारा उद्घाटन किए गए इस कोर्स में हाथ की सर्जरी में जटिलताओं को कम करने और इष्टतम कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में आघात प्रबंधन, परिधीय तंत्रिका चोट, कार्पल टनल सिंड्रोम, ट्रिगर फिंगर, डी क्रेरवेन टेनोसिनोवाइटिस, संक्रमण, नरम ऊतक कवर और पुनर्वास को कवर करने वाले 10 व्यापक मॉड्यूल शामिल थे। शिक्षाप्रद व्याख्यान, शल्य चिकित्सा प्रक्रिया वीडियो और इंटरैक्टिव सत्र मुख्य आकर्षण थे। एक ई-पोस्टर सत्र में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के रेजीडेंट शामिल थे। यह कोर्स 7 जुलाई, 2024 को डिस्टल रेडियस फ्रैक्चर फिक्सेशन पर एक व्यावहारिक कार्यशाला के साथ संपन्न हुआ। प्रतिभागियों ने सॉ बोन मॉडल पर अभ्यास किया और उन्हें आगे के सीखने के अवसरों और फेलोशिप के लिए ISSH में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

उद्यमिता को बढ़ावा देने में एम्स भोपाल प्रतिबद्ध

भोपाल। कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व में, एम्स भोपाल ने अपने स्नातक छात्रों के बीच अनुसंधान और उद्यमिता की संस्कृति को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है। इस प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, एमबीबीएस छात्र ईशान पवार, तिथि शाह और दिव्यांश शर्मा को प्रतिष्ठित बीआईआरएसी ई-युवा फेलोशिप योजना के लिए चुना गया है।

बीआईआरएसी ई-युवा (उत्साही शोध के माध्यम से युवा नवाचार को प्रोत्साहित करना) फेलोशिप एक अत्यधिक प्रतिष्ठित कार्यक्रम है, जो जैव प्रौद्योगिकी में युवा नवप्रवर्तकों को पोषित करता है। चयनित छात्रों की परियोजना का उद्देश्य गहरे गुहाओं और खराब दृश्यता वाले क्षेत्रों में आसान टांका लगाने के लिए एक चुंबकीय जांच विकसित करना है। यह अभिनव उपकरण सर्जिकल सटीकता और दक्षता को बढ़ाने का लक्ष्य रखता है, जो चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण चुनौती का समाधान है। यह परियोजना एम्स भोपाल के यूरोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कुमार माधवन के मार्गदर्शन में की गई थी। एम्स भोपाल में प्रो. डॉ. अजय सिंह का नेतृत्व संस्थान की स्नातक छात्रों के बीच नवाचारी अनुसंधान और उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बीआईआरएसी ई-युवा फेलोशिप जैसी अवसरों को प्रदान करके, एम्स भोपाल अपने छात्रों को चिकित्सा नवाचार में अग्रणी बनने और स्वास्थ्य सेवा उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सशक्त बना रहा है।

एक्सप्रेस वे बनने के बाद 36 जिलों को फायदा, 10 लाख करोड़ का निवेश भी

6 घंटे में राजस्थान-यूपी से वापस आ सकते हैं एमपी: 25 लाख रोजगार के अवसर मिलेगा

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश का झाबुआ जिला गुजरात सीमा पर बसा है। यदि राजधानी भोपाल से सड़क मार्ग से झाबुआ जाना हो तो फिलहाल 6 घंटे से ज्यादा का समय लगता है। अब ये दूरी करीब आधी होने वाली है लेकिन ऐसा होने में तीन साल का इंतजार करना पड़ेगा। दरअसल, छत्तीसगढ़ से गुजरात को जोड़ने वाले एक्सप्रेस-वे नर्मदा प्रगति पथ का 867 किलोमीटर का हिस्सा मध्यप्रदेश से होकर गुजर रहा है। इसका कुछ हिस्सा 4 लेन होगा तो कुछ हिस्सा 6 लेन का रहेगा। इसे 2027 तक बनाने की डेडलाइन तय की गई है।

केवल नर्मदा प्रगति पथ नहीं बल्कि मप्र में ऐसे 5 और एक्सप्रेस-वे बनने वाले हैं। डॉ. मोहन सरकार ने अपने पहले बजट में इन 6 एक्सप्रेस-वे को प्राथमिकता से पूरा करने का ऐलान किया है। सभी प्रोजेक्ट्स पर अगले 5 साल में 65 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

जानकार कहते हैं कि यदि सरकार इस मेगा प्रोजेक्ट

को जमीन पर उतारने में कामयाब हो जाती है तो 36 जिलों को फायदा होगा। एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ इंडस्ट्रियल और लॉजिस्टिक पार्क डेवलप होंगे। दूसरे राज्यों से प्रदेश की कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

नर्मदा नदी के समानांतर 867 किमी लंबा प्रगति पथ मप्र में अमरकंटक के कबीर चबूतरे से झाबुआ में गुजरात बॉर्डर तक जाएगा। खास बात यह है कि नर्मदा प्रगति पथ युमना एक्सप्रेस-वे से 4 गुना बढ़ा है। मप्र में औद्योगिक ईको सिस्टम का 70त्न हिस्सा नर्मदा एक्सप्रेस-वे की बेल्ट में है। इसका अलाइनमेंट पूर्वी मप्र को औद्योगिक रूप से उन्नत पश्चिमी मप्र से जोड़ेगा। कीरतपुर और इटारसी को लॉजिस्टिक्स एवं वेयर हाउस हब के रूप में विकसित किया जाना है।इसके अलावा करीब 6 जगहों पर इंडस्ट्रियल हब बनाने की भी योजना है। इंडस्ट्रियल हब को तैयार करने का काम उद्योग विभाग को दिया गया है। उद्योग विभाग ही औद्योगिक क्षेत्रों का विकास कर उद्योगपतियों को जमीन लीज पर देगा। 11 जिलों से होकर गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे के साथ ही शहरों के आस-पास छोटी-छोटी टाउनशिप डेवलप की जाएगी।

अटल प्रगति पथः 4 लेन एक्सेस कंट्रोल हाईवे, 6 घंटे में इटावा से कोटा

अटल प्रगति पथ को पहले चंबल एक्सप्रेस-वे से शुरू किया था। यह मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्यों से होकर गुजरता है। 415 किमी लंबे इसे एक्सप्रेस-वे का 296 किलोमीटर का हिस्सा मध्यप्रदेश, 47 किमी उत्तर प्रदेश और 72 किमी का हिस्सा राजस्थान में होगा।

इसकी खासियत यह है कि यह एक्सप्रेस-वे 4 लेन एक्सेस कंट्रोल हाईवे होगा, जिसे जरूरत पड़ने पर 6 लेन भी किया जा सकेगा। यह सभी बड़े हाईवे से जुड़ेगा। इसके बनने के बाद इटावा से राजस्थान महज 6 घंटे में पहुंचा जा सकेगा। अभी इस सफर में 10 घंटे से ज्यादा का समय लगता है।

यह मध्यप्रदेश में राजस्थान के बॉर्डर श्योपुर से शुरू होकर बीरपुर, सबलगढ़, झुंडपुरा, गोहद, मुरैना, अम्बा, बहरी (भिंड) से होते हुए यूपी के इटावा तक जाएगा। चंबल नदी के समानांतर बनाए जाने वाले अटल प्रगति पथ से सबसे ज्यादा फायदा किसानों को होगा।

इस एक्सप्रेस-वे के आसपास बड़े स्तर पर उद्योग स्थापित किए जाएंगे, जिससे करीब 214 गांवों के लोगों को फायदा मिलेगा। इसकी कनेक्टिविटी दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और गोल्डन क्वाड्रिलेटरल (स्वर्णिम चतुर्भुज प्रोजेक्ट) से भी होगी।

विंध्य एक्सप्रेस-वेः दोनों तरफ इंडस्ट्रियल क्लस्टर, 120 की स्पीड से दौड़ेंगी गाड़ियां

भोपाल-सिंगरौली के बीच बनने वाला विंध्य एक्सप्रेस-वे प्रदेश से गुजरने वाले सभी नेशनल हाईवे को आपस में जोड़ेगा। इसके दोनों तरफ इंडस्ट्रियल क्लस्टर बनाए जाएंगे। यह एक्सप्रेस-वे भोपाल, सागर, दमोह, सतना, रीवा,सीधी और सिंगरौली से होता हुआ गुजरेगा। यह एक्सप्रेस-वे जिस क्षेत्र से गुजरेगा, वहां के एग्रीकल्चर, कारोबार और उद्योग को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी। इससे क्षेत्र के 1.50 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस हाईवे पर वाहनों की रफ्तार 120 किमी प्रति घंटा होगी। ऐसे में सिंगरौली से भोपाल की दूरी महज 5-6 घंटे में पूरी कर ली जाएगी। भोपाल के प्रवेश और निकासी के पांच मुख्य मार्गों पर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनने जा रहा है। इससे कम से कम 50 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। MPRDC और नेशनल हाईवे मिलकर सड़क के किनारों को विकसित करने की योजना पर काम कर रहे हैं। इसके लिए जिला प्रशासन से शहर से जुड़े पांच रास्तों के आसपास की जमीनों पर डिटेल रिपोर्ट मांगी गई है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना गौरव की बातः अर्चना चिटनीस

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

भाजपा विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई प्रस्ताव और प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मिली जीत के साथ विकसित भारत के लिए विकसित मध्यप्रदेश का लक्ष्य लेकर प्रस्ताव पारित किया। पूर्व मंत्री और विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के पारित होने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना हमारे लिए गौरव की बात है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ भारत निरंतर विकास के रास्ते पर नए आयाम छू रहा है और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा कर विश्व गुरु बनेगा। वहीं विधायक श्री हरिशंकर खटीक ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में तेज गति से विकास हो रहा है। प्रथम प्रस्ताव प्रदेश महामंत्री व सांसद सुश्री कविता पाटीदार ने रखा, जिसका समर्थन केंद्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके व प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देव?ा ने किया। द्वितीय प्रस्ताव भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री श्री रणवीर सिंह रावत ने रखा और समर्थन प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ला एवं विधायक श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने झूठ फैलायाः अर्चना चिटनीस

विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस सहित उनके सहयोगी दलों ने संविधान को लेकर झूठ फैलाया। 90 से ज्यादा बार कांग्रेस ने संविधान में संशोधन किया है। 2024 का लोकसभा नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का चुनाव रहा है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन के पास भ्रम, नकारात्मकता और झूठ था और हमारे पास विकास, विचार, सेवा के साथ ब? लक्ष्यों का टारगेट था। कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद दिल खोलकर रिकॉर्ड तो? वोटिंग कर विरोधी दलों को करारा जवाब दिया।

कांग्रेस का कई राज्यों में नहीं खुला खाता

विधायक श्रीमती चिटनीस ने कहा कि कई राज्यों में कांग्रेस खाता तक नहीं खोल पाई और हमने इस बार केरल में भी एक लोकसभा सीट जीतकर वहां भी पार्टी का झंडा गा? दिया है। कई राज्यों में हम प्रदेश सहित सभी लोकसभा सीटें जीतने में कामयाब रहे और हमारा वोट प्रतिशत भी बड़ा है। श्रीमती चिटनीस ने कहा कि आने वाले पांच सालों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का कार्यकाल सुख-समृद्धि के साथ देश को सर्वोत्तम स्थिति में ले जाने वाला होगा।

उप-मुख्यमंत्री शुक्ल से केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने सौजन्य भेंट की

भोपाल। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल से केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भोपाल स्थित आवास में सौजन्य भेंट की। उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री यादव ने बाबा महाकाल के दर्शन व पूजा- अर्चना की

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने श्री महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन में बाबा महाकाल की पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश एवं प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगल कामना की। मंदिर में श्री आशीष पुजारी, श्री विजय गुरु,श्री राजेश गुरु और श्री महेश पुजारी ने विधिवत पूजा संपन्न कराई। विधायक श्री अनिल जैन कालूखेड़ा, श्री विवेक जोशी, श्री ओम जैन आदि जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहें।

श्री गौर राधा मदन गोपाल मंदिर में महोत्सवःभक्तो ने खींचा रथ

जीवन देने वाली माँ को नमन और प्रकृति माँ के सम्मान : केंद्रीय मंत्री यादव

क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी में इंदौर बनेगा नम्बर-1:सीएम डॉ. यादव

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने आज इंदौर स्थित बीएसएफ रेंज क्षेत्र में वृहद पौध-रोपण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए अपनी माताजी की स्मृति में पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती लीलाबाई पूनमचंद जी यादव की स्मृति में बरगद का पौधा लगाया। केन्द्रीय मंत्री यादव ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती संतरा यादव, प्रदेश के नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी माताजी स्व.श्रीमती अयोध्या देवी विजयवर्गीय की स्मृति में आम का वृक्ष लगाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा आदिकाल से इंदौर और उज्जैन का पर्यावरण के महत्व में विशेष संबंध रहा है। मां क्षिप्रा सहित 7 नदियों के उद्गम का स्थल इन्दौर है। देश एवं दुनिया में इंदौर की विशेष पहचान है। क्लीन सिटी के साथ अब ग्रीन सिटी में भी इंदौर अवश्य नम्बर वन बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में वृहद पौध-रोपण के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश में एक पेड़ मां के नाम अभियान से पौध-रोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रयास से मध्यप्रदेश को चीते मिले, जो प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा भारतीय समाज सदैव से प्रकृति पूजक रहा है। भारत की वैदिक परंपराओं में कहा गया है कि 10 कुओं के समान एक सरोवर, 10 सरोवर के समान एक तालाब, 10 तालाब के समान एक पुत्र और 10 पुत्रों के समान एक वृक्ष होता है। ऐसी हमारी वैदिक मान्यता होकर वृक्ष की महत्ता हमारी परम्परा में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनेगा, इसी संकल्प के साथ पूरा इंदौर इस अभियान से जुड़ा है।

केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। पूरे देश में 140 करोड़ पौधे लगाने का महा अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा इस वर्ष गर्मी का प्रचंड रूप 45 से 50 डिग्री तापमान के रूप में देखने को मिला। केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि पूरी दुनिया में विकास और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मनुष्य ने कांक्रिट के शहर तो बसा दिए लेकिन धरती की हरियाली को नष्ट कर दिया। मनुष्य कितनी भी तरक्की कर ले लेकिन भोजन, पानी, दवाओं का अंतिम तत्व सहित कई आवश्यक चीज प्रकृति उपहार में देती है लेकिन हम प्रकृति को इसके बदले में क्या लौटाते है। एक मां ने हमें जन्म दिया तथा एक धरती मां हमें जीवन जीने के साधन प्रदान करती है। जीवन देने वाली मां को नमन करने और प्रकृति मां के प्रति सम्मान के प्रति हरी भरी धरती देने के संकल्प को पूरा करना हमारा कर्तव्य है। धरती केवल इंसान के लिए नहीं समस्त जीव मात्र के लिए है, इसलिए देश में एक पे? माँ के नाम अभियान के तहत प्रत्येक देशवासी से पौध-रोपण का आह्वान किया गया है। वृक्षारोपण की पहल में म.प्र. का प्रयास सराहनीय है। इंदौरवासियों का क्लीन इंदौर के साथ ग्रीन इंदौर बनाने का अभियान प्रशंसनीय है। केन्द्रीय मंत्री यादव एवं मुख्यमंत्री डॉ.यादव का सम्मान पग?ी, अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर के ग्रीन कवरेज को ब?ाया जाएगा। इसके लिए 51 लाख पौधों का रोपण कर इनके संरक्षण के लिए भी विशेष प्रयास किये जाएंगे। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं द्वारा पौध-रोपण करते हुए उनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली जा रही है। इंदौर में जनभागीदारी से अभियान को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है। इन्दौर को ग्रीन कवरेज में नंबर-1 बनाएंगे।

महाआरती के बाद रथ में विराजे महाप्रभु, नगर भ्रमण कर भक्तों को दिए दर्शन

भोपाल। शांति नगर स्थित श्री गौर मदन गोपाल मंदिर से दोपहर एक बजे रथयात्रा प्रारंभ हुई। महाप्रभु जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र रथ पर सवार हुए। इससे पहले मंदिर में भगवान का श्रृंगार हुआ और महाआरती की गई। रथ पर विराजमान होने के बाद फिर आरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। जगन्नाथ स्वामी के जयघोष के बीच रथ रवाना हुआ। प्रत्येक गली-मोहल्ले में श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा की और प्रसाद चढ़ाया।

मंदिर की व्यवस्थापक दीपिका माहेश्वरी ने बताया कि 40 साल से यह परंपरा चल रही है। ज्वर लीला पूरी होने के बाद भगवान शनिवार को फूल बंगला में विराजमान हुए। भजन-कीर्तन के बाद भगवान की विश्राम किया। रविवार सुबह से भगवान का अभिषेक और श्रृंगार किया गया। भगवान को भोग लगाया गया और फिर रथयात्रा प्रारंभ हुई, जो नादरा बस स्टैंड, घोड़ा नक्कास, मंगलवारा, इतवारा, चौक बाजार, लखेरापुरा, भवानी चौक सोमवारा, बाल विहार, भोपाल टॉकीज होती हुई वापस मंदिर पहुंचेगी। रथ में महाप्रभु जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र विराजमान थे

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म .प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादकः दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578